मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 311
बुधवार, 04 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना ही ऑपरेशन सिंदूर का मकसदः सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली, 03 जून। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को उचित ठहराया और इस बात पर जोर दिया कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना होगा। उनकी टिप्पणी में कश्मीर के बारे में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की हाल की भड़काऊ टिप्पणियों का सीधा संदर्भ दिया गया, जिसमें इस्लामाबाद द्वारा सीमा पार आतंकवाद को लगातार समर्थन दिए जाने पर प्रकाश डाला गया। जनरल चौहान के बयान ने इस तरह के खतरों का सीधे मुकाबला करने और अपनी संप्रभुता पर जोर देने के भारत के संकल्प को रेखांकित किया।

अनिल चौहान ने कहा कि इस विशेष युद्ध का आरंभिक बिंदु पहलगाम आतंकी हमला था। क्या आतंकवाद युद्ध का एक तर्कसंगत कार्य है? मुझे नहीं लगता कि ऐसा इसलिए है क्योंकि आतंकवाद का कोई परिभाषित तर्क नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक ??हमारे विरोधी का सवाल है, उसने भारत को हजारों घाव देकर खून बहाने का निर्णय लिया है। 1965 में, जुल्फिकार अली भुट्टो ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए भारत के खिलाफ एक

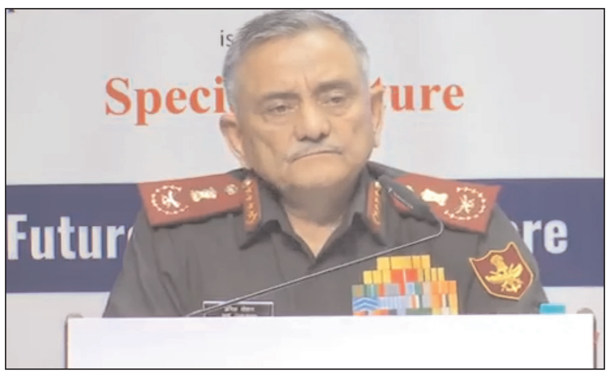

हजार साल के युद्ध की घोषणा की थी। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बोलते हुए, चौहान ने दृढ़ता से कहा कि देश आतंक और परमाणु ब्लैकमेल की छाया में नहीं रहेगा। उनकी टिप्पणी पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के लॉन्च के पीछे के तर्क पर चर्चा करते हुए आई, जिसमें राज्य प्रायोजित आतंकवाद और परमाणु दबाव का मुकाबला करने के भारत के संकल्प को रेखांकित किया गया। उन्होंने कहा कि 10 मई को रात करीब 1 बजे उनका (पाकिस्तान का) लक्ष्य भारत को 48 घंटे में घुटने टेकने पर मजबूर करना था। कई हमले किए गए और किसी तरह से उन्होंने इस संघर्ष को और बढ़ा दिया, जिसमें हमने वास्तव में केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था।

ऑपरेशन जो उन्हें लगा कि 48 घंटे तक चलेगा, लगभग 8 घंटे में खत्म हो गया और फिर उन्होंने फोन उठाया और कहा कि वे बात करना चाहते हैं।

उन्होंने पाकिस्तान की प्रतिक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा, ?पाकिस्तान ने तनाव कम करने के लिए कहा, जो पड़ोसी देश के रुख में बदलाव का संकेत है।

ऐतिहासिक विशालगढ़ किले की दरगाह पर दी जाएगी जानवरों की कुबार्नी, बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी इजाजत

मुंबई, 03 जून। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को कोल्हापुर के विशालगढ़ किले में स्थित दरगाह पर ईद-उल-अजहा (बकरीद) और उर्स के लिए पशु वध की अनुमति दे दी, साथ ही आवेदन पर रोक लगाने के लिए सरकारी अधिकारियों को फटकार भी लगाई। जस्टिस डॉ. नीला गोखले और फिरदौस पूनावाला की पीठ ने बताया कि कोर्ट ने पिछले साल ही दरगाह को त्योहार मनाने की अनुमति देते हुए एक आदेश जारी किया था। कोल्हापुर के विशालगढ़ किले में स्थित हजरत पीर मलिक रेहान मीरा साहब की दरगाह ने अधिवक्ता सतीश तालेकर और माधवी अयप्पन के माध्यम से उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कहा कि उसने

5 और 6 जून, 2025 को पशु वध और 7 से 12 जून तक उर्स के लिए अनुमति मांगने के लिए कई अधिकारियों को आवेदन दिया है। हालांकि, याचिकाकताओं ने दावा किया कि अधिकारियों ने अभी भी आवेदन पर कार्रवाई नहीं की है।

हर साल दरगाह पर तीन दिनों तक उर्स मनाया जाता है, जो साल में दो बार पीर साहब की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है - एक बार जून में ईद-उल-अजहा के बाद और हर साल 12 से 14 जनवरी तक। याचिका में कहा गया है कि उर्स उत्सव का बहुत महत्व है क्योंकि अनुयायियों का मानना है कि हजरत पीर मलिक साहब दरगाह पर धरती पर उतरते हैं। याचिका में कहा गया है कि पीर साहब की कब्र के पास बना चांदी का गेट उर्स के पहले दिन चमत्कारिक रूप से अपने आप खुल जाता है।

संसद और विधानसभाएं कानून बना दें तो कोई अवमानना नहीं होगी, पूर्व प्रोफेसर की याचिका पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 03 जून। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कोई भी कानून न्यायालय की अवमानना नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने समाजशास्त्री और दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर नंदिनी सुंदर और अन्य द्वारा दायर 2012 की अवमानना याचिका का निपटारा करते हुए यह टिप्पणी की। अवमानना याचिका में छत्तीसगढ़ सरकार पर सलवा जुडूम जैसे निगरानी समूहों को समर्थन रोकने तथा माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में विशेष पुलिस अधिकारियों के नाम पर आदिवासियों को हथियार देने के 2011 के निदेशों का पालन करने

में विफल रहने का आरोप लगाया गया है।

याचिका में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना हुई है, क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ सहायक सशस्त्र पुलिस बल अधिनियम, 2011 पारित किया है, जो माओवादी/नक्सल हिंसा से निपटने में सुरक्षा बलों की सहायता के लिए एक सहायक सशस्त्र बल को अधिकृत करता है तथा मौजूदा एसपीओ को सदस्य के रूप में शामिल करके उन्हें वैध बनाता है। छत्तीसगढ़ सरकार पर सलवा जुडूम पर निदेशों को न मानने का आरोप लगाने के अलावा

याचिकाकताओं ने कहा कि एसपीओ का उपयोग करने और उन्हें निरस्त्र करने के बजाय, राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ सहायक सशस्त्र पुलिस बल अधिनियम, 2011 पारित कर दिया, जिसके तहत 5 जुलाई, 2011 को शीर्ष अदालत के आदेश की तिथि से सभी एसपीओ को नियमित कर दिया गया।

जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 03 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कनाडा में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना नहीं है। मामले से अवगत लोगों ने सोमवार को यह जानकारी दी थी। अब इसी को लेकर कांग्रेस ने तंज कसा है। कांग्रेस ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जी7 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेना भारत-पाकिस्तान के बीच अमेरिका को मध्यस्थता करने देने के बाद एक और कूटनीतिक विफलता है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि जी-7 शिखर सम्मेलन 15 जून 2025 से कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कानानास्किस में आयोजित हो रहा है। इस सम्मेलन में अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपतियों, ब्रिटेन, जापान, इटली और कनाडा के प्रधानमंत्रियों तथा जर्मनी के चांसलर की भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि इस बार ब्राजील, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों तथा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को भी आमंत्रित किया गया है।

रमेश ने कहा कि 2014 से पहले जी-7 वास्तव में जी-8 हुआ करता था, जिसमें रूस भी शामिल था। उस समय डॉ. मनमोहन सिंह को जी-8 शिखर सम्मेलनों में आमंत्रित किया जाता था और वहां उनकी बात गंभीरता से सुनी जाती थी। जून 2007 में जर्मनी में हुए ऐसे ही एक सम्मेलन में प्रसिद्ध सिंह-

मर्केल फॉमूर्ला प्रस्तुत किया गया था, जिसे जलवायु परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय बातचीत की दिशा तय करने वाला माना गया। 2014 के बाद भी भारतीय प्रधानमंत्रियों को इन सम्मेलनों में आमंत्रित करने की परंपरा जारी रही। लेकिन इस बार, छह वर्षों में पहली बार, विश्वगुरु इस कनाडा शिखर सम्मेलन में उपस्थित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि चाहे इस पर जितनी भी 'स्पिन' दी जाए, सच्चाई यह है कि यह एक और बड़ी कूटनीतिक चूक है-ठीक उसी तरह जैसे भारत सरकार ने अमेरिका को भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का मौका देकर हमारी दशकों पुरानी विदेश नीति को पलट दिया, और अमेरिकी अधिकारियों को यह छूट दे दी कि वे खुलेआम किसी 'न्यूट्रल साइट' पर बातचीत जारी रखने की अपील करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में आयोजित होने वाले आगामी जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना नहीं है। कनाडा 15 से 17 जून तक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, जिसमें रूस-यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति सहित विश्व के सामने मौजूद चुनौतियों पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है।

दो सांसदों ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, गोल्डन टेंपल को नो वॉर जोन घोषित करे सरकार

अमृतसर, 03 जून। अमृतसर के सांसद गुरजीत सिंह औजला ने स्वर्ण मंदिर की सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री से अहम मांग की है। उन्होंने अमृतसर को नो वॉर जोन घोषित करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। वहीं, पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और गुरदासपुर सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी मोदी को पत्र लिखकर कुछ ऐसी ही मांग की है। रंधावा ने एक्स पर लिखा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि श्री अमृतसर साहिब जी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर "No-War Zone" घोषित किया जाए।

रंधावा ने आगे लिखा कि श्री हरमंदिर साहिब कोई साधारण स्थान नहीं है, यह सिख धर्म की आत्मा है और शांति का आध्यात्मिक प्रतीक है। श्री अमृतसर साहिब जी की पवित्रता और गौरव की रक्षा करना हम सबकी सांझी जिम्मेदारी है, मुझे उम्मीद है कि केंद्र सरकार मेरी इस अपील को राजनीतिक नहीं, बल्कि शांति के प्रतीक की रक्षा के रूप में देखेगी। वहीं, औजला ने कहा कि भारतीय सेना के एक मेजर जनरल के दावे के बाद यह मांग और भी महत्वपूर्ण हो गई है। मेजर जनरल ने कहा था कि पाकिस्तानी वायुसेना ने स्वर्ण मंदिर को निशाना बनाने की कोशिश की थी। इस दावे ने दुनिया भर के सिख समुदाय में चिंता पैदा कर दी है।सांसद ने कहा कि स्वर्ण मंदिर सिख धर्म का सबसे पवित्र स्थल है।

यहां विश्व भर से लाखों श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने वेटिकन सिटी की तरह स्वर्ण मंदिर के लिए भी स्थायी और गैर-राजनीतिक सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है। सांसद ने यूएनओ से भी इस पवित्र स्थल को अंतरराष्ट्रीय मान्यता और संरक्षण देने की मांग की है। उनका कहना है कि भविष्य में इस स्थान को किसी भी सैन्य या राजनीतिक लक्ष्य से दूर रखा जाना चाहिए। स्वर्ण मंदिर विश्व शांति का प्रतीक है और इसकी सुरक्षा भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा जिम्मेदारी है।

पुलिस और पीएससी में अग्निवीरों को मिलेगा 20% आरक्षण : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 03 जून। एक महत्वपूर्ण नीतिगत कदम के तहत, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को राज्य पुलिस भर्ती में पूर्व अग्निवीरों के लिए 20% आरक्षण को मंजूरी दे दी। यह निर्णय दिन में 11 बजे हुई कैबिनेट बैठक के दौरान लिया गया। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, आरक्षण पुलिस विभाग के भीतर कई प्रमुख श्रेणियों में सीधी भर्ती पर लागू होगा, जिसमें सिविल पुलिस कांस्टेबल, पीएसी (प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी), घुड़सवार पुलिस कांस्टेबल और फायरमैन शामिल हैं। राज्य सरकार ने कहा कि कोटा का उद्देश्य

अग्निपथ योजना के तहत चार साल की सैन्य सेवा के बाद पूर्व अग्निवीरों को सिविल सेवाओं में शामिल करने में सहायता करना है। यह कदम अग्निवीरों को सेवा के बाद रोजगार के अवसर प्रदान करने और राष्ट्रीय रक्षा में उनके योगदान को मान्यता देने के उत्तर प्रदेश के बड़े प्रयास का हिस्सा है।

जेल में ही रहेंगी शर्मिष्ठा पनोली, कोलकाता हाईकोर्ट ने नहीं दी राहत

कोलकता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर शर्मिष्ठा पनोली को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया, जिन्हें ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर एक समुदाय के खिलाफ अब हटाए गए वीडियो में कथित रूप से विवादास्पद बयान देने के लिए गिरफ्तार किया गया था। अपने आदेश में अदालत ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा उस सीमा तक नहीं बढ़ाई जा सकती जहां इससे किसी व्यक्ति या समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचे।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

-ललित गर्ग

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें।

भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिस्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी।

भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही। पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए है। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आतंकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झूकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अस्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात कर-के ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है।

भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है। भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है। पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते

समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।

पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे। उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, ह्यहम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं ह्ल पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है। यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्ठा करता रहा है।

अपनी कार्रवाई में भारत ने नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन आतंकी ढांचे पर सटीक एवं प्रभावी प्रहार किया। अपनी विश्वसनीयता के लिए भारत ने साक्ष्य भी प्रस्तुत किए कि यह कोई खुफिया अभियान न होकर एकदम खुली चेतावनी थी। भारत अब भी अपनी बात पर कायम है कि अगर पाक शांति चाहता है, पडोसी धर्म को निभाना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां आतंकी ढांचा समाप्त करना होगा। आतंक के साथ न वार्ता हो सकती है और न व्यापार। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। भारत का रुख एकदम स्पष्ट है और अब पाक को तय करना है कि वह क्या चाहता है। भारत पाक और चीन की कुचालों को समझता है, इसीलिये रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की भी जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। लेकिन भारत युद्ध नहीं चाहता, शांति एवं अमन ही उसका लक्ष्य है। भारत ने वैसे भी ह्यनो फर्स्ट यूजह्ल की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

क्या चिराग पासवान के बिहार राजनीति में वापस जाने से एन डी ए को फायदा होगा ?

अशोक भाटिया

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है । बताया जाता है कि अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को विधानसभा चुनाव के लिए मैदान में उतारने से संबंधित प्रस्ताव लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने भी पास कर दिया है। इसे लेकर अब चिराग पासवान का भी बयान आया है। एलजेपीआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि खुद को बहुत लंबे समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं देखता। उन्होंने यह भी कहा है कि बिहार वापस जाना चाहता हूं।चिराग पासवान ने कहना है कि मेरे राजनीति में आने का कारण बिहार और बिहारी रहे हैं। जिस सोच के साथ राजनीति में आया हूं, वह ये है कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों की श्रेणी में आए। उन्होंने कहा कि यही मेरी इच्छा है और तीसरी बार सांसद बनकर मुझे समझ आया कि दिल्ली में रहकर बिहार के लिए काम करना संभव नहीं होगा। चिराग ने कहा कि मेरा अपना एक विजन भी है 'बिहार फर्स्ट,बिहारी फर्स्ट'।

चिराग पासवान का कहना है कि कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों की बराबरी पर आकर खड़ा हो, यह चाहता हूं। चिराग ने यह भी कहा कि पार्टी के सामने अपनी इच्छा रखी थी। जल्द वापस बिहार जाना चाहता हूं। मेरे विधानसभा चुनाव लड़ने से पार्टी को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी इसका आकलन कर रही है। हम चाहे जितनी सीटों पर भी चुनाव लड़ें, हमारा ध्यान स्ट्राइक रेट पर है।चिराग ने कहा कि मेरे चुनाव लड़ने से मेरी पार्टी और मेरे गठबंधन का प्रदर्शन अगर बेहतर होता है, तो जरूर लड़ूंगा। गौरतलब है कि एक दिन पहले चिराग पासवान ने कहा था कि पार्टी की तरफ से मेरे विधानसभा चुनाव लड़ने का प्रस्ताव आया है। उन्होंने यह भी कहा था कि इस पर अभी और विस्तार से चर्चा होगी। पार्टी ने प्रस्ताव दिया है कि सामान्य सीट से चुनाव लड़ूं। हालांकि, अभी इस पर और चर्चा होना बाकी है।

वैसे चिराग पासवान केंद्र सरकार में मंत्री हैं। केंद्रीय मंत्री रहते हुए अगर वह बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं, तो जाहिर है उनका लक्ष्य मंत्री बनना तो नहीं ही होगा। फिर उनका प्लान क्या है? दरअसल, चिराग पासवान जानते हैं कि केंद्रीय राजनीति में भी उनके पैर तब तक ही जमे हैं, जब तक वह बिहार में मजबूत हैं। आखिरकार, उनकी सियासत का बेस तो बिहार ही है। बीजेपी मध्य प्रदेश और राजस्थान से लेकर हरियाणा तक, केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ाती आई है। 2020 के बिहार चुनाव में चिराग की पार्टी शून्य सीट पर सिमट गई थी। खुद मैदान में उतरने के पीछे चिराग की रणनीति यह भी हो सकती है कि शायद इससे एलजेपीआर को कुछ सीटों पर फायदा मिल जाए।

बिहार के वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश अश्क ने कहा कि राजनीति में कोई अस्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता। चिराग की रणनीति कुछ सीटें जीतकर अपनी बारगेनिंग पावर बढ़ाने की हो सकती है, खासकर ऐसे माहौल में जब नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर अनिश्चितता की स्थिति हो। चिराग भी भविष्य के सीएम दावेदारों में गिने जाते हैं, 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' जैसे कैंपेन से अपनी मौजूदगी बनाए रखते हैं। वह बिहार की सियासी पिच खाली नहीं छोड़ना चाहते। जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी कम सीटें होने के बावजूद सीएम बन सकते हैं, निर्दलीय मधु कोड़ा झारखंड के सीएम बन सकते हैं, नीतीश कुमार तीसरे नंबर की पार्टी का नेता होने के बावजूद पांच साल सरकार चला सकते हैं, तो सियासत में कुछ भी हो सकता है। चिराग को भी नीतीश के भविष्य पर संशय में अपने लिए उम्मीद दिख रही है।

साल 2005 में दो बार बिहार विधानसभा के चुनाव हुए थे। पहले चुनाव में त्रिशंकू जनादेश आया था। तब चिराग पासवान के पिता रामविलास पासवान तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार में मंत्री थे। केंद्र सरकार में गठबंधन साझीदार होने के बावजूद एलजेपी ने बिहार चुनाव अकेले लड़ा और पार्टी 29 सीटें जीतकर किंगमेकर के तौर पर उभरी। तब आरजेडी 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी और 92 सीटों के साथ एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन। कांग्रेस के 10, सपा के चार, एनसीपी के तीन और लेफ्ट के 11 विधायक थे। आरजेडी को कांग्रेस और इन छोटी पार्टियों के साथ ही केंद्र में गठबंधन सहयोगी एलजेपी के समर्थन से सरकार बना लेने का विश्वास था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

सत्ता की चाबी लेकर घूम रहे रामविलास पासवान ने तब मुस्लिम मुख्यमंत्री की मांग कर पेच फंसा दिया। नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए ने सरकार बनाई, लेकिन अल्पमत की यह सरकार भी अधिक दिनों तक नहीं चल सकी। नीतीश को कुर्सी छोड़नी पड़ी और उसी साल अक्टूबर में दोबार चुनाव हुए। 2005 के दूसरे चुनाव में एलजेपी की सत्ता की चाबी खो गई और एनडीए ने पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई। इन चुनावों में क्या चिराग भी अपनी पार्टी के लिए सत्ता की चाबी खोज रहे हैं?

चिराग पासवान के हालिया रुख के बाद 2020 के बिहार चुनाव की यादें ताजा हो आई हैं। तब चिराग पासवान अपने पिता की बनाई पार्टी एलजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुआ करते थे। चिराग की पार्टी तब 30 सीट की मांग कर रही थी। बात नहीं बनी तो चिराग की पार्टी ने अकेले मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया। चिराग ने 137 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे, खासकर उन सीटों पर जहां जेडीयू चुनाव लड़ रही थी। लेकिन बात 20 साल पुरानी कहानी की भी हो रही है।

चिराग की पार्टी ने जब 2020 में एकला चलो की राह पकड़ी थी, तब भी वही पार्टी के अध्यक्ष थे। तब पार्टी एनडीए में भी थी। हालांकि, चिराग तब केंद्र में मंत्री नहीं थे। 20 साल पहले भी कुछ ऐसा ही हुआ था। तब चिराग के पिता रामविलास पासवान केंद्र सरकार में मंत्री थे। केंद्र में यूपीए की सरकार थी और जब बिहार चुनाव की बारी आई, एलजेपी ने अकेले चुनाव लड़ा। केंद्र की सरकार में साथ होते हुए भी रामविलास पासवान का समर्थन आरजेडी को नहीं मिल पाया और पार्टी सत्ता से ऐसी चूकी कि नीतीश के बगैर सत्ता का स्वाद चखने की स्थिति में कभी आ नहीं पाई। क्या चिराग इस बार एनडीए के लिए वही कहानी दोहरा पाएंगे?

चिराग ने यह भी कहा कि उनके चुनाव लड़ने से बिहार में एनडीए को फायदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला सिर्फ व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का नहीं है, बल्कि पार्टी और ठऊअ गठबंधन की रणनीति का हिस्सा है।लेकिन तीन बार के सांसद और मंत्री चिराग पासवान अब विधायक क्यों बनना चाहते हैं। क्या उनका मकसद सिर्फ विधायक बनने तक सीमित है या इसका अगला कदम मुख्यमंत्री पद की दावेदारी होगा? इसका जवाब तो आगे मिलेगा। लेकिन चिराग पासवान के इस दांव ने बिहार में सियासी सरगर्मी जरूर बढ़ा दी है। एलजेपी के सांसद और प्रदेश प्रभारी अरुण भारती ने अपने नेता का समर्थन करते हुए बिहार में चुनाव लड़ने के फैसले का स्वागत किया है।उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि चिराग हमेशा कहते हैं कि उनकी राजनीति बिहार केंद्रित है और उनका विजन 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' एक विकसित और आत्मनिर्भर बिहार का संकल्प है। यह तभी संभव है जब वे खुद बिहार में रहकर नेतृत्व करें। जब मैं प्रदेश प्रभारी के रूप में गांव-गांव गया, हर जगह लोगों की एक ही मांग थी कि चिराग को अब बिहार में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। हाल ही में पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में भी सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास हुआ कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में खुद चुनाव लड़ें।अरुण भारती ने आगे कहा कि कार्यकताओं की यह भी भावना है कि इस बार वे किसी आरक्षित सीट से नहीं, बल्कि एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ें ताकि यह संदेश जाए कि वे अब सिर्फ एक वर्ग नहीं, पूरे बिहार का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।

चिराग के चुनाव लड़ने पर आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बिहार में चुनाव से पहले ही ठऊअ में सिर फुटव्वल शुरू हो गई है और मुख्यमंत्री पद के कई दावेदार हो गए हैं। तिवारी ने कहा कि छखढ(फ) अब चिराग पासवान को सीएम कैंडिडेट बता रही है और जेडीयू-बीजेपी नीतीश कुमार को सीएम कैंडिडेट बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि ठऊअ में चिराग की पार्टी की लगातार उपेक्षा हो रही है।

आरजेडी प्रवक्ता के बयान से साफ है कि चिराग के विधानसभा चुनाव लड़ने को विपक्ष भी अपने लिए एक मौके के तौर पर देख रहा है। अगर चुनाव नतीजों में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है तो ऐसे में चिराग की भूमिका अहम हो सकती है। तेजस्वी यादव के साथ वह पहले ही अपने पारपारिक संबंधों को हवाला दे चुके हैं, ऐसे में उनका पाला बदल भी मुमकिन हो सकता है। लेकिन फिलहाल औपचारिक तौर पर चिराग पासवान के विधानसभा चुनाव लड़ने का इंतजार है। अब उनकी पार्टी के तमाम प्रकोष्ठों ने उन्हें चुनाव लड़ने की हरी झंडी दे दी है। खुद चिराग ने भी कह दिया है कि वे एनडीए में रह कर ही चुनाव लड़ेंगे। मुख्यमंत्री पद की दावेदारी नहीं करेंगे। नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। पार्टी इस बाबत सर्वेक्षण करा रही है कि उनके चुनाव लड़ने से दल और एनडीए को कितना फायदा होगा। बहरहाल, चिराग अगर चुनाव लड़ते हैं तो इससे निश्चित तौर पर एनडीए को फायदा होगा। अलबत्ता महागठबंधन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। महागठबंधन में शामिल कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की निगाहें दलित वोटरों पर लगी हुई हैं।

बिगाड़े हैं पर्यावरण तो सुधारने की भी जिम्मेदारी

-सुरेश सिंह बैस शाश्वत

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

विश्व की सभी महा शक्तियां और ताकतवर देश संयुक्त राष्ट्र संघ एवं सुरक्षा परिषद द्वारा बनाएं नियम तो हैं ही, लेकिन प्रकृति के नियमों का भी उल्लंघन और अवहेलना कर रहे हैं ये शक्ति शाली देशों के नित परमाणु परीक्षणों, विस्फोटों के कारण अतिवृष्टि, अनावृष्टि और दूषित वायुमंडल हमें चेतावनी दे रहे है। और यह लोग उल्टे दुनिया को तबाह करने वाले परमाणु बमों का विशाल भण्डार रखकर दुनिया को धमका रहे हैं, और मनमानी कर रहे हैं। इसी का ताजा तरीन उदाहरण है कि आज रूस - यूक्रेन युद्ध की तबाही पिछले दो वर्षों से अधिक हो जाने के बाद भी रुक नहीं रही है। ऊपर से इसराइल का फिलिस्तीन लेबनान ईरान आदि देशों से किए जा रहे युद्ध के कारण पर्यावरण प्रदूषण पर गहरा दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इसके दुष्प्रभाव से सारी दुनिया आक्रांत हो चुकी है। पर्यावरण प्रदूषण को हम निम्न प्रकार से देखेंगें, वायुमंडलीय प्रदूषण- स्वच्छ हवा प्राणिमात्र के लिये पहली जरूरत है। इस लिहाज से आज हमारे वातारण में काफी जहर घुल चुका है। कारखानों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का एक प्रमुख स्त्रोत है, वहीं वाहनों द्वारा छोड़ी जाने वाली गैस, धुवां आदि भी इनके जिम्मेदार है। वायुमंडल में इसके फलस्वरुप सल्फर डाइआक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड एवं कार्बन मोनोआक्साइड जैसी विषैले गैसों की मात्रा बढ़ती जा रही है। यदि इसकी मात्रा बहुत ज्यादा हो जाय तो तेजाब की बारिश हो सकती है। कई घातक बीमारियां भी इसी वजह से फैल रही हैं। जल प्रदूषण - हवा के बाद पानी जीवन की दूसरी मूलभूत आवश्यकता है। कारखानों में विभिन्न रसायनिक प्रकियाओं से गुजरने के बाद जल एकदम विषैला हो जाता है, जिसे हम पीने के उपयोग में ले लेते है। इसी तरह शहरी क्षेत्रों में भी मल - मूत्र सीवेज के जरिये नालों में फिर नालों के जरिये नदियों में प्रवाहित कर दिया जाता है। इस विषैले एवं प्रदूषित जल में घातक कार्बनिक एवं अकार्बनिक पदार्थ तो होते ही हैं. साथ ही कीटाणु और अन्य बीमारियां भी होती है, जो कि अनेक महामारियों का कारण बनते हैं। प्रदूषित जल के कारण कुछ वर्ष पूर्व बिलासपुर शहर एवं आसपास के काफी क्षेत्रों में आंत्रशोध, हैजा, डायरिया जैसी बीमारियों का प्रकोप हमें सहना पड़ा था। इस वर्ष भी बरसात का मौसम अब सिर पर आ रहा है, अभी से ही शासन प्रशासन एवं निगम सहित हम सभी को बचने हेतु प्रवं बचाव कार्य निपटा लेना अति अवश्यक होगा।

भूमि प्रदूषण- दतों फंजीसाइडश पेस्टीसाइड (रसायनिक खाद) के अधिकाधिक प्रयोग से हमारे यहां की मिट्टी प्रदूषित होती जा रही है। इससे जमीन की उर्वरा शक्ति पर भी विपरित प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा वर्षा में इन्हीं विनाशक पदार्थों को लेकर पानी नदियों एवं तालाबों में पहुंचता है। इस तरह भूमि का यह प्रदूषण अप्रत्यक्ष रूप से जल को भी प्रदूषित करने में सहायक है। पर्यावरण की सुरक्षा में हम देखते है कि पेड़ पौधों का बहुत अधिक महत्व है। मनुष्य के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं के साथ वृक्ष अटूट रूप से जुड़े हैं। पर्यावरण जब जब बिगड़ेगा, तब तब उसका सबसे ज्यादा खामियाजा मानव को भुगतना होगा। यह तथ्य उतना ही सत्य है जितना कि यह कि हम धरती को विनाश की ओर धकेल रहे हैं। पर्यावरण प्रदूषण कोई और नहीं फैला रहा हैं स्वंय मानव ही तो इसका पहला और अंतिम कारक है। इसलिये मानव के हित के लिये, वह स्वयं जितनी जल्दी पर्यावरण के सुधार के लिए होश में आएं ये उतना ही अच्छा सिद्ध होगा। पर्यावरण प्रदूषण का गंभीरता पूर्वक अध्ययन करने से पूर्व यह समीचीन होगा कि यह अच्छी तरह से जान लिया जाये कि पर्यावरण किसे कहते हैं?

हमारे चारो ओर की जलवायु, वनस्पति, जल और जीवधारी - आपसी सामंजस्य के साथ मिलकर ही पर्यावरण का निर्माण करते हैं। इन सबके आपसी संतुलन से जैविक विविधताओं से स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण होता है। अपवाद स्वरुप यह होता है कि प्राकृतिक उथल पुथल से कभी कभी इसका संतुलन बिगड़ जाता है, तब पर्यावरण को संतुलित करने का दायित्व जीवधारियों में सबसे ज्यादा बुद्धियुक्त प्राणी मानव का ही होता है। वैसे भी नैतिकता का तकाजा भी यहीं कहता है।

जीवधारियों के लिये आवश्यक स्वच्छ पर्यावरण इस समय काफी हद तक प्रदूषित हो चुका है। और तो और जीवन की प्रथम संजीवनी प्राण वायु भी हर सांस के साथ हमें मृत्यु के करीब ले जाने को तत्पर है। मानव जीवन सरल बनने की अपेक्षा कठिन से कठिनतर बनता जा रहा है। भारत में तीव्रगति से बढ़ती हुई आबादी व नित नए औद्योगिकीकरण ने बढ़ते परिवेश में हमारी जटिलताओं और आवश्यकताओं को और भी बढ़ा दिया है। बढती हुई जब आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये बड़े-बड़े समुद्रि उद्योग जो वायु ,जल ,धूल की जहरीले धुये घातक केमिकल्स, अवशिष्ट कूड़ा करकट आदि से रोजाना प्रदूषित करते जा रहे है। पावन नदियो का स्वच्छ व निर्मल जल आज अमृत तुल्य न रहकर विषयुक्त हो चुका है। अब तो यह मानव ही नहीं अन्य जीवधारियों के लिये भी घातक सिद्ध हो रहा है।

बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के लिये केवल उद्योग ही अकेले दोषी नही है बल्कि समाज का प्रत्येक वर्ग इसके लिये उत्तरदायी है। सरकार की ओर से कितने भी स्वच्छता एंव पर्यावरण सुधारक कार्यक्रम चलाये जाये, जब तक हम भी तन मन धन से इन कार्यक्रमों में सहयोग नहीं देगें। कोई भी कुछ नहीं कर सकता। आज मनुष्य जिस तेजी से प्रगति की ओर और अत्याधुनिकता की ओर बढ़ रहा है, ठीक उसी रफ्तार से पर्यावरण को भी गंदा करते जा रहा है। प्रकृति के नियमों की मनुष्य भी हमेशा से, श्रद्धा व आदर देता आया है। वनों एवं वृक्षों को हमारे समाज द्वारा पूजा जाता है। पौधे वायुमंडल की हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं, तो वही जीवन के लिए आवश्यक अमृततुल्य ऑक्सीजन देते हैं और वे वातावरण में ताजगी बनाये रखते है। वृक्षों की अवैध कटाई रोककर हरे वृक्षों की रक्षा एवं वृक्षारोपण अत्यावश्यक है।

वैसे प्रदूषण की रोकथाम के लिये सबसे पहली जरुरत तो जन-जागरण की है। वहीं नये उद्योगों को शुरू होनें के पूर्व तब तक अनुमति नहीं दी जानी चाहिये जब तक कि उनमें प्रदूषण निवारण के लिए समुचित इंतजाम न हों। कानूनी तौर पर इसके लिए भी प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिये।

विभिन्न रूपों में बढ़ते हुये प्रदूषण की रोकथाम यदि शीघ्र नहीं की गई तो आने वाली पीढ़ी पर इस प्रभावों को देखकर ₹ मुंह में उंगली दबाने की ₹ अपेक्षा और कुछ शेष नहीं रह जायेगा। समाज के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह सरकार द्वारा इस क्षेत्र में चलाए जा रहे जन-जागरण अभियान या सफाई अभियान पर गंभीरता पूर्वक निदेर्शों का पालन कर सहयोग करें। वर्ना जीवन अभिशाप बनकर रह जायेंगा। आवश्यक है एक जुट होकर ऐसे समाज की रचना करें जहां प्रकृति और पर्यावरण के साथ सामंजस्यपूर्ण अपनी उपलब्धियों को आगे बढ़ायें और आने वाली पीढ़ियों के लिये आदर्श बन सकें।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

संजीव ठाकुर

भारत की दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमें गर्व होना चाहिए। हमें स्वतंत्रता अथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास के कारण ही देश का मनोबल बहुत ऊंचा एवं गगनचुम्बी है हमें इस पर गर्व होना चाहिए और यही कारण है कि भारत में लोकतंत्र की आस्था तथा विस्वास के चलते ही ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर हमला किया और आतंकवादियों तथा उसके पोषक पालकों के छक्के छुड़ा दिए और भारत ने युद्ध में बड़ी सफलता पाई। भारतीय फौज के शौर्य और शक्ति का लोहा पूरी दुनिया में स्वीकार किया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे भारत में लोकतांत्रिक आस्था और गर्व पर विश्वास करने वाली 141 करोड़ जनता का बड़ा समर्थन है। देश की जागरूक जनता ने ऑपरेशन सिंदूर के संचालन में भारत सरकार और भारतीय तीनों सेना के अंगों का भरपूर समर्थन किया है, भारत के नागरिकों को भारतीय सेना के अदम्य साहस और वीरता पर गर्व है। हमें इन गौरवशाली पलों को अनंत काल तक बनाए रखना होगा और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजरअंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2025 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए,पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है' वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द्र की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरूआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 131 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया' वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाए' संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पाया' हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगा' केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती है' गरीबों को अनाज देने के साथ-साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे, तब जाकर देश की स्थिति सुधर सकती है' हमें गरीबी के अनेक स्वरूपों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए हमें पिछड़ी जाति, दलित, दिव्यांग,महिलाएं, गरीब बच्चे के लिए सर्वाधिक योजनाओं को महत्व देकर निशुल्क शिक्षा,रोजगार गारंटी तथा कौशल विकास तथा पारदर्शी स्वास्थ्य योजनाओं को हर पंचवर्षीय योजना में लागू किया जाना होगा, पर अब हर वर्ष नई नई योजनाएं बनाकर उस पर प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर सफल बनाना होगा' यह सर्वविदित है कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही नवीन भारत का मार्ग प्रस्तुत हो सकता है' भारतीय समाज में जातिवाद एक बड़े नासूर की तरह हम सबके समक्ष खड़ा है' जात पात को खत्म करने के लिए स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात कई महान पुरुषों ने अपना जीवन लगा दिया था, जिनमें प्रमुख ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम उल्लेखनीय है' इनके समुचित प्रयास के बाद भी जातिवाद को आज भी भारत में खत्म नहीं किया जा सका है,बल्कि यह बड़े रूप में सामने आए हैं एवं राजनीतिक समीकरण के कारण यह और उभर कर सामने आया है' जिसका फायदा राजनीतिज्ञ अपने चुनाव के समय वोटर को अपने पक्ष में करने के लिए उठाते हैं' 1947 के बाद स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 1955 में सिविल अधिकार एक्ट लागू किया इसके बावजूद हालात जस के तस हैं' हमारा देश एक बहू धार्मिक सांस्कृतिक एवं विविधता वाला देश है ' भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में माना जाता है। सांप्रदायिकता को रोकने के लिए संसद में अनेक संशोधन हुए हैं इसके बावजूद देश में धार्मिक सौहार्द बनाने में बहुत असफलताएं सामने आई है। यहां सांप्रदायिक दंगे भी हुए हैं, जिसे सरकार रोकने का भरसक प्रयास करती रही लेकिन सदैव उन्हें असफलता ही हाथ लगी है' संप्रदाय, जाति प्रथा, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा चर्च के विवाद के कारण ही सांप्रदायिकता सदैव खतरे में रही है' सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाने के कई पहलुओं पर गहन चिंतन मनन भी किया गया पर इसमें बहुत बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है, सांप्रदायिकता के साथ जुड़ी हुई आतंकवाद की घटनाएं हुई इस संदर्भ में जोड़ी जाती रही है' आतंकवाद, नक्सली समस्या केवल भारत देश की नहीं है यह अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले चुकी है' भारत आतंकवाद से स्वतंत्रता के बाद से लगभग 73 वर्ष से इस समस्या से जूझ रहा है कश्मीर में आतंकवाद, झारखंड, बिहार,बस्तर, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश,तेलंगाना में नक्सली समस्या अपना सिर उठा चुकी है' हमारे परंपरागत दुश्मन वैसे तो पाकिस्तान और चीन है पर पाकिस्तान और तालिबान एक साथ मिलकर कश्मीर में आतंकवाद का तांडव मचाकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर भी किया है' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल से भारत को स्वच्छ निर्मल और स्वस्थ रखने की नई योजनाओं को लागू कर उस पर अमल करना शुरू किया है। स्वच्छ भारत भी एक अभियान की तरह भारत में प्रचलित है' महात्मा गांधी की सदैव कल्पना रही है कि भारत स्वच्छ रहे और इसी कार्यक्रम में सरकार ने सभी शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय बनाने की योजना को तीव्र स्तर पर लागू भी किया है' पर यह शत-प्रतिशत अनुपालन में नहीं आई है' इसके अलावा भारत कई योजनाओं में एक साथ काम कर रहा है, जैसे चुनाव में संशोधन,श्रम कानूनों में सुधार, पंचायती राज में संशोधन, आर्थिक सशक्तिकरण तथा कार्यपालिका न्यायपालिका तथा विधायिका में सामंजस्य बनाने का प्रयास भी किया गया' भारत में हर वर्ष बाढ़, सूखा तथा भूकंप के झटके भी महसूस किए जाते रहे और इस पर प्रभावी नियंत्रण लाने का प्रयास भी किया गया है। इसके लिए भी अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। कुल मिलाकर नवीन भारत की संकल्पना के साथ भारत में तमाम पहलुओं पर विचार करते हुए अपनी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जाना चाहिए, तब जाकर भारत एक नवीन भारत की कल्पना को साकार रूप दे सकता है एवं विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकता है।

जनसेवक महेश गायकवाड ने किया एक लाख की आर्थिक मदद

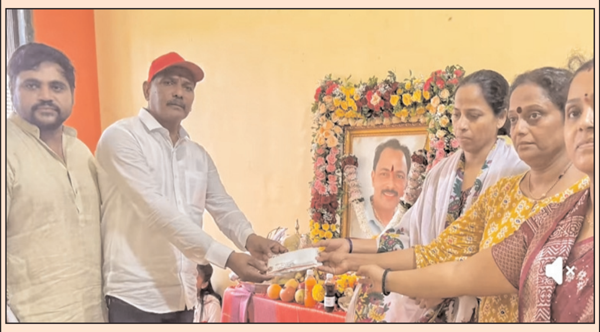

कल्याण (उत्तरशक्ति)। जिंदगी और मौत से जूझ रही केवल 9 महीने की त्रिशिका हर्षल कोली नामक नन्हीं बच्ची को अब नवसंजीवनी मिलने की आशा जागी है। मुंबई के वरली इलाके में रहने वाली इस मासूम को एक गंभीर बीमारी ने घेर रखा है। ऐसे समय में जनसेवक महेश गायकवाड ने त्वरित एक लाख रुपये की आर्थिक मदद देकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाया है। यह मदद मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की ओर से, तथा स्व.रोहिदास दिनकर ढोणे की पावन स्मृति में दी गई है। त्रिशिका के परिवार से तत्काल संपर्क साधकर बिना किसी विलंब के यह सहायता प्रदान की गई।

इस अवसर पर महेश गायकवाड ने कहा, यह मदद केवल एक सांत्वना नहीं, बल्कि मेरी सामाजिक जिम्मेदारी है। ऐसे कठिन समय में किसी का साथ होना बहुत जरूरी होता है। बताते चलें कि मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन संस्था पिछले कई वर्षों से जरूरतमंदों, मरीजों, निराश्रितों और वंचित वर्गों के लिए निःस्वार्थ सेवा करती आ रही है। महेश गायकवाड की प्रेरणा से स्थापित इस संस्था के कार्यों की सामाजिक स्तर पर लगातार सराहना हो रही है। 9 महीने की त्रिशिका की सेहत के लिए जारी संघर्ष में इस मदद से उसके परिवार को एक नई आशा की किरण मिली है। समाज में ऐसे सेवाभावी कार्यों से ही असली 'मानवता' जीवित रहती है, यह बात महेश गायकवाड के कार्यों से एक बार फिर सिद्ध हुई है।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ का स्थापना दिवस व सम्मान समारोह हर्षोल्लास से संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान की बात करने वाली प्रसिद्ध सामाजिक संस्था राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के पालघर जिला इकाई द्वारा आयोजित बोईसर स्थित राम मंदिर में संघ का स्थापना दिवस विशेष एवं सम्मान समारोह अत्यंत गरिमा व उत्साह के साथ संपन्न हो गया। यह कार्यक्रम संगठन की राष्ट्रीय और प्रांतीय नेतृत्व की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिसमें संगठनात्मक एकता और सेवा संकल्प को बल मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता पालघर जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेडादे एवं तहसील अध्यक्ष रोशन पाठक ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास तिवारी, राष्ट्रीय महामंत्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासचिव सोहनलाल पालीवाल, राष्ट्रीय मंत्री राजेश राठौर, महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष यजुर्वेद सावे तथा प्रदेश संगठन मंत्री रोहित सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम में संघ के विभिन्न पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को उनके सराहनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पालघर जिला से जिला उपाध्यक्ष मुकेश पिंपले, जिला कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा, जिला महामंत्री मीना बोरसे, जिला मंत्री सुनीता सकपाल, सदस्यता प्रमुख सुमित ठाकुर, जिलेदार वर्मा, प्रधान ओमप्रकाश चौहान, राजेश सिंह, राकेश शर्मा, अजय यादव, बृजभूषण साहनी, नीरज पांडे, सुनीता दुबे, कविता मिश्रा, मयूरी पिंपले, ममता सिंह एवं सरिता तिवारी सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। धर्म प्रचार प्रकोष्ठ के प्रमुख आचार्य कौशल तिवारी, सह-प्रमुख पंडित प्रेम शंकर तिवारी एवं प्रमुख मनीष उपाध्याय ने भी अपने विचार एवं उपस्थिति से समारोह को गौरवान्वित किया। कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष ललित माली एवं प्रदेश महासचिव एस. एस. तिवारी द्वारा तैयार की गई थी। अंत में जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेडादे ने सभी आगंतुकों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की भावी योजनाओं की जानकारी दी।

इम्युनिटी को प्राकृतिक तरीके से बढ़ाना चाहते हैं अपने रोजाना के खाने में शामिल करें ये चीजें

मुंबई/पटना। देशभर में कोविड और फ्लू के मामले एक बार फिर बढ़ रहे हैं। ऐसे में अपनी इम्युनिटी को मजबूत और संतुलित बनाए रखना बहुत जरूरी हो गया है। संक्रमण की इस मौसमी लहर के साथ खांसी, जुकाम, पाचन की परेशानी और कमजोरी जैसी दिक्कतें भी आम हो गई हैं। एमबीबीएस और न्यूट्रीशनिस्ट डॉ. रोहिणी पाटिल बताती हैं कि यदि आप अपने रोज के खानपान में बादाम, हल्दी और अदरक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड्स को शामिल करें, तो इम्यून सिस्टम को मजबूती मिलती है और आप बेहतर सेहत बनाए रख सकते हैं।आइए जानते हैं डॉ. रोहिणी किन-किन सुपरफूड्स को रोजमर्रा के आहार में शामिल करने की सलाह देती हैं, ताकि इस संक्रमण के मौसम में आपका शरीर सुरक्षित रह सके:

कैलिफोर्निया बादाम ड्राय फ्रूट्स में बादाम को राजा कहा जाता है और कैलिफोर्निया बादाम खास तौर पर सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। इनमें 15 जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जैसे हेल्दी फैट, प्रोटीन, जिंक, मैग्नीशियम, एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन ई। ये न केवल दिल की सेहत का ख्याल रखते हैं, बल्कि शरीर में ऊर्जा बनाए रखने में भी मदद करते हैं। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी रोजाना बादाम खाने की सलाह देती है, जिससे आपकी इम्युनिटी बेहतर हो सकती है और समग्र स्वास्थ्य में सुधार आ सकता है। साथ ही, कैलिफोर्निया बादाम त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने और वजन संतुलित करने में भी मदद करते हैं, क्योंकि इनमें प्राकृतिक रूप से पेट भरने का गुण पाया जाता है। हल्दी हल्दी अपने सूजन-रोधी और एंटीऑक्सिडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। यह इम्युनिटी को मजबूत करती है और संक्रमण से लड़ने में मदद करती है। इसलिए फ्लू के मौसम में हल्दी को अपने आहार में जरूर शामिल करें।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामनारायण गोयल की हुई ताजपोशी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर (क्लब आईडी 30218) के लिए सत्र 2025-26 के इंस्पायर प्रेसिडेंट के रूप में पूर्व सैनिक एवं समाजसेवी रोटेरियन रामनारायण गोयल का भव्य शपथग्रहण समारोह रविवार 1 मई 2025 को पालघर जिले के बोईसर शहर (प.) स्थित टीमा हॉल में संपन्न हो गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3141 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (2025-26) रोटेरियन डॉ. मनीष मोटवानी सहित अनेक वरिष्ठ रोटेरियन, सामाजिक संगठन, गणमान्य नागरिक व रोटरी परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह बार-बार गूंजती करतल ध्वनि और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

क्लब के वाईब्रेंट प्रेसिडेंट (2024-25) रो. विलास शहापुरे ने वर्षभर की उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के उपरांत मुख्य अतिथि से गरिमामयी विदाई प्राप्त की। नवनियुक्त प्रेसिडेंट रो. रामनारायण गोयल की ताजपोशी डीजी रो. डॉ. मोटवानी द्वारा की गई। अपने संबोधन में प्रेसिडेंट गोयल ने क्लब की आगामी परियोजनाओं का खाका प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण, ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग, मोतियाबिंद ऑपरेशन, किडनी डायलिसिस सहायता, रक्तदान शिविर, क्षय रोगियों को पोषण आहार, वेस्ट मैनेजमेंट, महिला सशक्तिकरण के लिए 'पिंक रिक्शा' योजना, तथा स्कूलों में स्वच्छ जल एवं शौचालय सुविधाओं को प्राथमिकता देने की घोषणा की। इस अवसर पर रोट्रेक्ट प्रेसिडेंट सोहेन राजेश सामंत, रो. रीतिका, रो. ज्ञानेश्वरी, इंटरेक्ट प्रेसिडेंट स्वरा प्रशांत कदम, रो. राकेश मिश्रा, रो. जगदीश भूते समेत अनेक रोटरियन और नॉर्थ जोन के नव-नियुक्त पदाधिकारियों व मीडियाकर्मियों की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। समारोह को सफल बनाने में परियोजना प्रमुख पीपी. रो. संदीप राऊत के नेतृत्व में क्लब एडमिन रो. आरती शिंदे, रो. स्मिता जाधव, सेक्रेटरी रो. शैलेश अग्रवाल, ट्रेजरर रो. अश्विनी सामंत और डिजिटल मास्टर गणेश परब की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम का समापन स्नेहिल प्रीतिभोज व भाईचारे के वातावरण में हुआ।

विदेश में बडी तनख्वाह वाली नौकरी का झांसा देकर ठगी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। विदेश में बड़ी तनख्वाह वाली नौकरी दिलाने का झांसा देकर 30 लाख ठगने वाले तीन लोगों के खिलाफ बाजारपेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भानुप्रताप विश्वकर्मा उल्हासनगर में रहते हैं। वह सुतार का काम करते हैं। उन्हें विदेश में मोटी तनख्वाह वाली नौकरी का झांसा देकर ठगा गया।

मिली जानकारी के अनुसार कल्याण पश्चिम में स्काय सीकर्स ट्रैवल एंड टूरिज्म नामक कंपनी का दफ्तर है। इस दफ्तर में काम करने वाले तीन लोगों मोहम्मद आसिफ, जहीर और रमाकांत ने विश्वकर्मा को मोटी तनख्वाह वाली नौकरी का झांसा देकर उनसे 30 लाख 46 हजार रुपए ऐंठ लिए। विश्वकर्मा ने इस मामले में बाजारपेट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने ठगी करने वाले तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस तीनों की तलाश कर रही है। उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। उनकी जांच के लिए तीन टीमें लगाई गई हैं। पुलिस ने यह भी कहा कि आरोपियों के बैंक खाते सीज करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। प्रारंभिक जानकारी में पता चला है कि गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और महाराष्ट्र के कल्याण के जरूरतमंद लोगों को नौकरी का लालच देकर ठगा गया है। जानकारी सामने आ रही है कि इस कंपनी ने कई जरूरतमंद लोगों से करोड़ों रुपए ठगे हैं।

एयर क्वालिटी एक्शन फोरम के दूसरे चरण की शुरूआत

मुंबई। पेटीएम भारत की अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवा वितरण कंपनी और मोबाइल भुगतान, क्यूआर कोड और साउंडबॉक्स की अग्रणी, ने आज यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट प्रोग्राम (वठएढ) और पेटीएम फाउंडेशन के सहयोग से एयर क्वालिटी एक्शन फोरम के दूसरे चरण की शुरूआत की घोषणा की। यह पहल भारत के स्वच्छ वायु मिशन का समर्थन करने के लिए सहयोग को बढ़ावा देती है, जागरूकता फैलाती है, और तकनीक-आधारित समाधानों को सक्षम बनाती है ।एयर क्वालिटी एक्शन फोरम का यह दूसरा चरण वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए ज्ञान, सर्वोत्तम प्रथाओं और व्यावहारिक समाधानों को साझा करने हेतु एक केंद्रीय मंच के रूप में कार्य करेगा। यह नीति निमार्ताओं, शहरी निकायों, शोधकताओं और समुदायों को डेटा-आधारित उपकरणों और जनशिक्षा संसाधनों तक पहुंच प्रदान करेगा। इस पहल में नागरिक भागीदारी और व्यवहारिक बदलाव को दीर्घकालिक प्रभाव के लिए मुख्य स्तंभ माना गया है ।यह चरण तकनीक, रीयल-टाइम डेटा और बहु-क्षेत्रीय साझेदारियों का उपयोग करता है जिससे नवोन्मेषी और स्केलेबल हस्तक्षेपों का कार्यान्वयन संभव हो सके। यह भारत के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के कार्यान्वयन को मजबूत करने के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप है ।विजय शेखर शर्मा, संस्थापक एवं सीईओ - पेटीएम ने कहा, ह्लवायु प्रदूषण हम सभी को प्रभावित करता है – हमारे घरों में, सड़कों पर और हमारे बच्चों के जीवन में। यह पहल विज्ञान, तकनीक और जागरूकता को जोड़कर स्वच्छ हवा को साझा प्राथमिकता बनाने की दिशा में एक कदम है। हम सरकार के प्रयासों का सम्मान करते हैं और आशा करते हैं।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी का दावा मुम्बई महानगरपालिका चुनाव हम जीतेंगे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुम्बई महानगरपालिका चुनाव संभवतः जल्द होने की संभावनाओं और चचाओं के बीच उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मीडिया से बात करते हुए विश्वास प्रकट किया है कि इस बार मुम्बई महानगरपालिका का चुनाव हम लोग ही जीतेंगे और निश्चित तौर पर भारतीय जनता पार्टी का महापौर सबको देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि मेरे

इस विश्वास के पीछे बहुत से कारण हैं, उनमें प्रमुख है दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेहतरीन ढंग से किया गया काम, इसी क्रम में महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़वणीस जी के कुशल नेतृत्व में लगातार तीसरी बार 100 से अधिक सीटें जीतने का पराक्रम भी हमने किया है। यानी यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़वणीस के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास प्रकट किया है।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे कहा कि उद्धव ठाकरे ने शरद पवार से मिलकर ढाई साल में जो किया उसकी बात हम छोड़ भी दें तो भी यह तो पूर्ण सत्य है कि 2019 में महाराष्ट्र की जनता का पूर्ण जनाधार तो देवेंद्र फड़वणीस के ही पक्ष में रहा था। 15 साल का ट्रेक रेकार्ड भारतीय जनता पार्टी के साथ है और अब जनता का मन बन चुका है कि इस बार मुम्बई को उसके समुचित विकास और भरपूर नागरी सुविधाओं के लिये वह इसे भारतीय जनता पार्टी को सौंपे।

जनसेवक शेट्टी ने आगे कहा कि मुम्बई को झोपड़पट्टी मुक्त करने और उसमें रहनेवाले नागरिकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना के अनुसार मुख्यमन्त्री देवेंद्र फड़वणीस के नेतृत्व में

सबको हक का पक्का घर दिलाने की हमारी मुहिम को भी हमें अब तेज करना है। हमारी मुम्बई का चेहरा बदलेगा और यह ऐसी मुम्बई बनेगी कि लोग देखने आएंगे। जिसप्रकार कोस्टल रोड से लेकर आनेवाले दिनों के विभिन्न बड़े प्रोजेक्ट जब बनेंगे तो अब तक जो लोग सुनते आए हैं कि मुम्बई , सिंगापुर बनेगी तब वह साकार रूप ले लेगी। इन्हीं सब ठोस कारणों से मुझे लगता है कि देवेंद्र फड़वणीस जी के नेतृत्व में होनेवाले महानगरपालिका चुनाव में मुम्बई की जनता आंख मीचकर अपना वोट भारतीय जनता पार्टी को देगी। मुम्बई के विकास और नागरिकों को सुविधाओं में अवश्य इजाफा होने में मुम्बई महानगरपालिका चुनाव मील का पत्थर साबित होगा।

उल्हासनगर में बढ़ता गुंडाराज-मनपा सफाईकर्मी पर जानलेवा हमला

9 आरोपियों पर मामला दर्ज

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर अपराधों का शहर बनता जा रहा है। आए दिन होती मारपीट की वारदातों और खूनी संघर्ष से आम लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। एक ताजा मामले में उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सफाईकर्मी पर 8 से 9 लोगों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। हमले में मनपा के सफाईकर्मी पवन ढकोलिया बुरी तरह घायल हो गए जिनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। वहीं उल्हासनगर पुलिस ने वैभव उर्फ गणेश हटकर, गौतम राजू हटकर, विक्रम साहेबराव गोडबोले, गणेश रविन्द्र हजारे, नीलेश, अजय राजू भारवडकर, सल्लू लोट, सूरज लोट और चंदन लोट नामक 9 लोगों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। सभी आरोपी उल्हासनगर के हनुमान टेकड़ी परिसर के रहनेवाले बताए जा रहे हैं। उल्हासनगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना भैयासाहेब आंबेडकर नगर, उल्हासनगर-2 नंबर की है। बीती 29 मई को महानगर पालिका के सफाईकर्मी पवन ढकोलिया का मुख्य आरोपी गणेश उर्फ वैभव हटकर के साथ मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था। उसी का बदला लेने के लिए गणेश सहित 9 आरोपियों ने दिनदहाड़े पवन पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में लहूलुहान हुए पवन को सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

प्रज्ञा पाटिल ने भाजपा जिला अध्यक्ष का पदभार संभाला

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार जिले की नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुश्री प्रज्ञा कमलाकर पाटिल ने बालाजी हॉल, नालासोपारा में एक भव्य समारोह में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं की उपस्थिति ने समारोह को गरिमामय बना दिया।

भाजपा की संगठनात्मक प्रक्रिया के तहत सुश्री प्रज्ञा ताई को जिले की कमान सौंपी गई है। उनके चयन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, और पूर्व जिला अध्यक्ष महेन्द्र पाटिल का विशेष योगदान रहा।

पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र पाटिल के सफल कार्यकाल के बाद अब प्रज्ञा पाटिल आगामी महानगरपालिका चुनावों में पार्टी को और सशक्त करने की दिशा में कार्य करेंगी।

समारोह में नालासोपारा के विधायक राजन नाइक, चुनाव अधिकारी बाबाजी कथोले, पालघर जिला प्रभारी एवं प्रदेश सचिव श्रीमती रानी द्विवेदी ताई, वरिष्ठ नेता जोगेन्द्र प्रसाद चौबे, हरेंद्र दादा पाटिल सहित वसई-विरार जिले के सभी मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानसून के मौसम में दादर गौतम नगर सफाई कामगारों की कॉलोनी खाली न कराई जाए: अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस की मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मानसून का मौसम शुरू हो चुका है । इस पार्श्वभूमी को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष दलित मित्र गोविन्द भाई परमार ने राज्य के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और सभी राजनीतिक दलों से मांग की है कि बरसात के मौसम में दादर के गौतम नगर की सफाई कामगारों की कॉलोनी खाली न कराई जाए। बता दें कि पिछले कई वर्षों से इस कॉलोनी का पुनर्विकास रुका हुआ है। जिसके कारण कर्मचारी संघर्ष कर रहे हैं।अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंदभाई परमार ने अपनी मांग में कहा की पिछले 100 वर्षों से, कर्मचारी परिवार इस कॉलोनी में रह रहे हैं। इस कॉलोनी के पुनर्विकास के लिए, राज्य सरकार ने डॉ .बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजना को लागू करने के लिए 1985 से 2008 तक 5 अध्यादेश जारी किए हैं। इसमें उन्हें मालिकाना हक वाले घर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा गया था। इसके लिए सफाई कामगारों के लिए महानगरपालिका की आय से 5 प्रतिशत की आरक्षित निधि रखने का प्रावधान किया गया था। हालांकि परमार ने आरोप लगाया है कि पिछले 70 वर्षों में कामगारों के लिए कोई शैक्षणिक या सामाजिक कार्य नहीं किया गया है। 1988 के नियमों के

अनुसार, जिन सफाई कर्मचारियों के पास सेवा निवास नहीं है, उन्हें इस अध्यादेश के अनुसार एसआरए के साथ-साथ सिडको या सरकार के विकास कार्यों में 5 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। फिर भी, उन कर्मचारियों को पिछले कई वर्षों से वंचित रखा गया है। चेंबूर के माहुल गांव में सफाई कर्मचारियों के लिए 9 हजार घर बनाए गए थे। सरकार के डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रम साफल्य आवास योजना के 2008 के अध्यादेश के अनुसार, 2009 में इन सफाई कामगारों को 50 घर मुफ्त दिए गए थे। बाकी घरों का वादा किया गया था। अब उसी जगह, मनपा 2025 में सफाई कामगारों को ये घर 12 लाख रुपये में दे रही है। यह सफाई कामगारों के साथ अन्याय है, और अध्यादेश के अनुसार पहले भुगतान करने के बाद अब शुल्क लेना गलत है, ऐसा गोविंदभाई परमार ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा। इस बीच, 2009 से 2025 तक चेंबूर के माहुल गांव में स्थित आवासों में रहने की कोई हिम्मत नहीं करता। यहां बहुत प्रदूषण है क्योंकि यहां बर्मा सेल और कई गैस कंपनियां हैं। इसलिए, कर्मचारी यहां घर खरीदने के लिए तैयार नहीं हैं। फिर भी, सफाई मजदूर अनिच्छा से वहां रहने के लिए तैयार हैं। इसलिए, यह मांग की गई है कि उन्हें सरकारी नियमों के अनुसार मुफ्त घर दिए जाएं। दूसरी ओर, मानसून का मौसम शुरू हो गया है और दादर के गौतम नगर में 244 घरों को एक विकासक द्वारा निर्माण किया जा रहा है। हम इसका विरोध नहीं करते हैं। लेकिन मानसून के मौसम के अगले 4 महीनों के लिए सफाई कामगारों को यहां से नहीं हटाया जाना चाहिए। यह मांग की जा रही है कि मानसून का मौसम खत्म होने के बाद काम किया जाए। गौतम नगर में पुनर्विकास - 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस सफाई कर्मचारियों की बस्ती का तत्कालीन मनपा आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया था। उस समय 2019 में फेज-1 का काम शुरू किया गया था। वहां 11 मंजिल तक काम हो चुका है। कहा गया था कि 1 साल में यह निर्माण पूरा हो जाएगा। इसलिए मांग की जा रही है कि बचे हुए 244 सफाई कामगार जो अब बचे हैं, उन्हें इस नई जगह पर रहने दिया जाए और फिर फेज-2 का काम शुरू किया जाए।

करण जौहर की त्यानी ज्वेलरी के नए कैंपेन में शेफाली शाह बनीं ब्रांड एम्बेसडर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के प्रमुख ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक त्यानी ज्वेलरी बाय करण जोहर ने अपने नए ब्रांड कैंपेन ह्यफोर्सेस ऑफ त्यानी का अनावरण किया है। इस कैंपेन के तहत प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री शेफाली शाह को इस सीरीज की पहली ब्रांड एम्बेसडर के रूप में पेश किया गया है। यह कैंपेन कंपनी के लिए एक नया और आत्मविश्वास से भरा अध्याय शुरू कर रहा है। इस अभियान में 10 से अधिक अलग-अलग और विशिष्ट व्यक्तित्वों को ब्रांड एम्बेसडर के रूप में शामिल किया जाएगा। त्यानी ज्वेलरी बाय करण जोहर ऐसे कलाकारों को एक मंच पर लाने जा रहा है, जिन्होंने सफलता की परिभाषा खुद के तरीके से गढ़ी है। हर हफ्ते एक नया चेहरा पेश किया जाएगा और यह अभियान अगले कुछ महीनों तक विभिन्न प्लेटफॉर्म पर आगे बढ़ेगा।

फोर्सेस ऑफ त्यानी का पहला लुक शेफाली शाह की दमदार और प्रभावशाली उपस्थिति के साथ सामने आया है। उनके व्यक्तित्व की चमक और आत्मविश्वास को प्रभावशाली स्टोरीटेलिंग के माध्यम से दशार्या गया है, जो महिलाओं को अपनी शक्ति निडरता से स्वीकारने और व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने जो क्लासिक त्यानी नेकलेस पहना है– वह सोने में जड़ा हुआ है, कीमती रत्नों से सजा हुआ है, कट और अनकट डायमंड्स से तैयार है–यह एक उत्कृष्ट ज्वेलरी की अभिव्यक्ति है, जो हर महिला की जीवनगति, कहानी और आत्मा से जुड़ती है। यह कैंपेन इंडिविजुअलिटी को लक्जरी का सबसे दुर्लभ रूप मानते हुए उसका उत्सव मनाता है, और उन सभी महिलाओं को दशार्ता है जो अपनी अनोखी शक्ति को गर्व से ढूंढती हैं और पहनती हैं ।करण जौहर, संस्थापक, त्यानी ज्वेलरी इस कैंपेन को लेकर कहा, हम इस नए अध्याय को लेकर बेहद उत्साहित हैं। फोर्सेस ऑफ त्यानी हमारे ब्रांड फि लासोफी के केंद्र में है–लक्जरी को एकरूपता या स्टेटस से नहीं, बल्कि इंडिविजुअलिटी के जश्न से पुनर्परिभाषित किया जाना चाहिए। इस कैंपेन के मूल में शक्ति, प्रामाणिकता और इनोवेशन हैं–यही वो स्तंभ हैं, जिन पर त्यानी खड़ा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

ट्रेलर की चपेट में आने से दो युवकों की मृत्यु, एक गम्भीर रूप से घायल

8 जून को होने वाली थी भतीजी की शादी, परिवार डूबा गम में

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पतहना

मोड़ पर मंगलवार की सुबह लगभग 10:00 बजे के आसपास ट्रेलर और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई जिसमें दो युवक की मौत हो गई एक गम्भीर रूप से घायल हो गया। ड्राइवर ट्रेलर छोड़कर हुआ फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर को अपने कब्जे मे ले लिया है ।मृतक का नाम अमला यादव 55 वर्ष मोहित यादव 22 वर्ष पुत्र स्वर्गिय शंकर यादव घायल रेहान अंसारी 19 वर्ष सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के काजी बजार पतहना, तीनो युवक एक ही गांव के निवासी थे। जानकारी के अनुसार 8 जून को अमला यादव की भतीजी की शादी है। एक बाइक पर तीन लोग सवार होकर शादी का सामान सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कोठवार बाजार से सामान लेने जा रहे थे। जैसे ही वह पतहना मोड़ के पास पहुंचें सामने से तेज रफ्तार आ रहे ट्रेलर से एक जोरदार टक्कर हो गयी। जिसमे घटनास्थल पर ही दो युवक की मृत्यु हो गई, और एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। डायल 108 एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल भेजा गया। जहाँ पर डॉक्टर ने देखते ही अमला यादव मोहित यादव को मृत्यु घोषित कर दिया। घायल रेहान का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया है। सरायख्वजा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है, आगे की विधि करवाई की जा रही है।

ओलंदगंज-कचहरी मुख्य मार्ग पर हुआ गड्ढा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के ओलंदगंज कचहरी मुख्य मार्ग पर आज सुबह अचानक एक गहरा गड्ढा बन गया। जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित

हो गई। इस होल के कारण वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह के समय जब लोग अपने रोजमर्रा के कामों के लिए घरों से बाहर निकल रहे थे, तभी अचानक यह होल देखा गया।वाहन चालकों को इसकी वजह से तेजी से ब्रेक लगाने पड़े, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रही। हालांकि, समय रहते स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने इस होल के बारे में अधिकारियों को सूचना दी, और प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक को डायवर्ट किया।

अगले साल रिंग रोड के दोनों लेन पर चलेंगे वाहन

जनवरी 2026 तक तैयार हो जाएगी गंगा पुल की दूसरी लेन

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में अगले साल रिंग रोड के दोनों लेन से वाहन फर्राटा भरेंगे। संदहा से चंदौली के रेवसा तक रिंग रोड के एक लेन से आवागमन शुरू हो चुका है। अभी हल्के वाहनों के आवागमन की सुविधा है। ऐसा माना जा रहा है कि जनवरी 2026 तक गंगा पुल की दूसरी लेन भी बनकर तैयार हो जाएगी। उसके बाद आवागमन और सुचारू हो जाएगा।गंगा पुल का एक लेन तैयार होने के बाद रिंग रोड के एक लेन से आवागमन फिलहाल शुरू कर दिया गया है। एक जून से दो पहिया और चार पहिया वाहन इस पर फर्राटा भर रहे हैं। अभी ट्रक और भारी वाहनों के प्रवेश की अनुमति नहीं है। अगले छह माह तक भारी वाहन नहीं गुजर सकेंगे। आवागमन शुरू होने के बावजूद वाहन चालकों को अभी सावधानी बरतने की

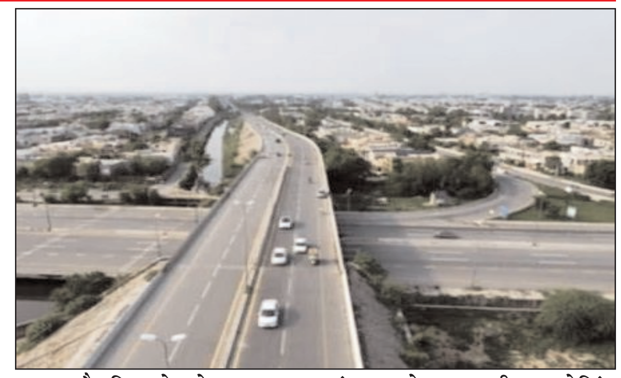

जरूरत है। जिस लेन से आवागमन शुरू हुआ है उसके डिवाइजर के रंग-रोगन के साथ ही गंगा पुल के बाहर की तरफ रेलिंग का निर्माण भी कराया जा रहा है। इस काम को पूरा होने में अभी एक पखवारे का समय लग सकता है।

बरतन का जरूरत ह। जिस लन स आवागमन शुरू हुआ है उसके डिवाइजर के रंग-रोगन के साथ ही गंगा पुल के बाहर की तरफ रेलिंग का निर्माण भी कराया जा रहा है। इस काम को पूरा होने में अभी एक पखवारे का समय लग सकता है। दूसरी लेन पर अभी गर्डर रखने से लेकर सड़क पर तारकोल का काम होना बाकी है। एनएचएआई के पीडी ने बताया कि निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण हिस्सा प्रभावित न हो इसलिए भारी वाहनों का प्रवेश रोका गया है।

जमीनी विवाद में पट्टीदारों ने घर पर चढ़कर तीन लोगों को मारपीट कर किया घायल

मुहम्मद आरिफ

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। ज़िले के महराजगंज थाना अंतर्गत रामपुर कटया निवासी मोहम्मद कैफ पुत्र

मोहम्मद इस्लाम के घर पर उनके पट्टीदारों ने 31 मई को रात 9:00 बजे घर में घुसकर मोहम्मद कैफ और उनके बेटे तथा पत्नी तथा मोहम्मद कैफ के चाचा साहबान को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और दरवाजे पर खड़ी ऑटो रिक्शा जिसको रोड पर चला कर मोहम्मद कैफ अपना जीविका परिजन करता था। उसको

> **इस मामले पर थाना अध्यक्ष विनय कुमार मिश्रा से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि यह पट्टीदारी विवाद काफी दिनों से चल रहा है। मेरे भी संज्ञान में आया है। कोई न कोई कार्यवाही की जाएगी। अब देखना है कि मामले में पुलिस क्या न्याय उचित कार्रवाई करती है या फिर लीपापोती करके मामले को रफा दफा कर देती है।**

भी लाठी डंडे से तोड़ दिया गया,साथ साथ दरवाजे पर खड़ी बाइक को भी क्षतिग्रस्त किया गया। घटना के बाद गंभीर रूप से घायलों को ग्रामीणों द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज कराया जा रहा है। मोहम्मद कैफ के चाचा साहबान को लाठी डंडे से पेट, हाथ, गर्दन और कंधे पर गंभीर चोटें आई है। सहबान के बेटे को भी कंधे हाथ और पीठ पर चोटें आई है। मोहम्मद कैफ ने बताया कि 6 बिस्वा बैनामे की जमीन है। जिसमें पट्टीदारों द्वारा हिस्सा नहीं दिया जा रहा है। इसको लेकर मैं तहसील पर एक बंटवारे का मुकदमा कर दिया तभी से हमारे पट्टीदार लोग हमेशा मेरे पीछे पड़े हुए हैं। कई बार हम लोगों को मार पीट चुके हैं। मेरा एक बेटा है जो विदेश जाने वाला था। वह लोग चाहते हैं कि मुकदमे में फंसा दिया जाए जिससे उसकी जिंदगी चौपट हो जाए और वह कहीं का ना रहे। मैं इस मामले में थाने पर कई बार तहरीर दिया लेकिन पुलिस इसमें कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। बल्कि मुझे ही डरा धमका कर फंसाने की बात करती है।

बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने बस दुर्घटना पीड़ित परिवारों से की मुलाकात, व्यक्ति की शोक संवेदना

बदलापुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बदलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग 731 पर बक्शा थाना अंतर्गत शम्भूगंज हाईवे पर हाल ही में हुई बस दुर्घटना में जान

गंवाने वाले तीन लोगों के घर बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने सोमवार को पहुँचकर परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की। दुर्घटना में ग्राम सलेखनपट्टी की स्व. सुशीला यादव, ग्राम चवरी के स्व. कालीचरण यादव और ग्राम कटहरी के स्व. राजनाथ गौतम की मौत हो गई थी। विधायक ने परिजनों को ढांढ़स बंधाते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से बात कर पीड़ित परिवारों को सड़क दुर्घटना बीमा योजना के तहत पाँच लाख रुपये की सहायता राशि, पारिवारिक लाभ योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ तत्काल दिलाने के निर्देश दिए।इस अवसर पर नायब तहसीलदार बृजेंद्र सिंह, लेखपाल मान सिंह चौहान समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा शुभारंभ पर निकाली गई कलश यात्रा

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर श्रीराम लीला कमेटी गुड़हाई से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा हेतु भव्य कलश यात्रा निकाली गई। प्रयागराज से पधारे कथाव्यास गोवत्स पंडित कृष्ण चाकर जी महाराज के सानिध्य में विधि विधान से बेदी पूजन के पश्चात दिव्या मंगल कलश यात्रा संपूर्ण नगर में निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष पशुपतिनाथ मुन्ना व सभासद निकुंज ऊमरवैश्य ने संयुक्त रूप से भागवान श्री

कृष्ण की आरती उतारकर किया। कलश यात्रा में शामिल पीतांबरधारी महिलाएं 108 मंगल कलश सर पर धारण कर भगवान श्री कृष्ण का नाम संकीर्तन करते हुए चल रही थी। रथ पर कथाव्यास पूज्य श्री गोवत्स पंडित कृष्ण चाकर जी महाराज विराजमान रहे।

रथ के आगे श्रद्धालुजन गाजे बाजे और डीजे के साथ भगवान का नाम संकीर्तन करते हुए चल रहे थे। जिसे देख श्रद्धालु भक्त भाव विभोर हो गए। महिलाओं ने घरों की छतों से पुष्प वर्षा से स्वागत किया। ऽहरे राम हरे कृष्णऽके नाम संकीर्तन से समूचा नगर गुंजायमान हो रहा था। मंगल कलश यात्रा में पप्पू भोजवाल सर पर श्रीमद् भागवत ग्रंथ लेकर शामिल रहे। कलश यात्रा मोहल्ला गुड़हाई से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए कथा स्थल श्री राम लीला मैदान में पहुंचकर समापन हुआ।

परम्परगत ढंग से मनायें बकरीद का त्योहार: सीओ सिटी

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना परिसर में सोमवार की देर शाम को बकरीद के त्योहार को लेकर पीस कमेटी की अहम बैठक हुई। बैठक में आये लोगों को सम्बोधित करते हुए सीओ सिटी देवेश सिंह ने कहा कि बकरीद के पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए। किसी भी तरह की नई परम्परा न डालें। परम्परा गत तरह से मिलजुलकर त्योहार मनाए। किसी भी प्रकार के उत्तेजक व भड़काऊ पोस्ट

अगर कोई डालता है तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखे। वही थानाप्रभारी विश्वनाथ सिंह ने कहा कि बकरीद पर कुबार्नी अपने घरों में करे और इसका वीडियो सोशल साइट पर न डाले। किसी भी धर्म या समुदाय की भावनाओं को ठेस न पहुंचे ।इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक के अंत में सीओ सिटी ने सभी को बकरीद की अग्रिम शुभकामनाएं दिया। इस मौके पर अखिलेन्द्र सिंह, सुनील निषाद, चैयरमैन प्रतिनिधि डॉ सरफराज खा, पूर्व चेयरमैन प्रमोद बरनवाल, सन्दीप सेठ, राजेश जायसवाल, परवेज कुरैशी, दिलशाद अहमद आदि मौजूद रहे।

खेतासराय में बकरीद को लेकर पीस कमेटी की बैठक

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोमवार को खेतासराय थाना परिसर में बकरीद पर्व को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी ने कहा कि त्यौहार पारंपरिक तरीके से मनाया जाएगा और किसी भी नई परंपरा की अनुमति नहीं दी जाएगी। कुबार्नी का सार्वजनिक प्रदर्शन और सोशल मीडिया पर फोटो या वीडियो डालना प्रतिबंधित रहेगा। ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर पंचायत अध्यक्ष वसीम अहमद ने नगर में साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था का भरोसा दिलाया और युवाओं से शांति बनाए रखने की अपील की। मुस्लिम धर्मगुरु सैयद ताहिर ने भी समुदाय से सहयोग की अपील करते हुए वीडियो न बनाने का अनुरोध किया। बैठक में सैयद ताहिर, वसीम अहमद, मौलाना अहमद नसीम, बाबर प्रधान, सलीम अहमद समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रेस्क्यू के दौरान सर्पमित्र मुरलीवाले हौसला को सांप ने डंसा, हालत गंभीर

डॉक्टरों की देख-रेख में चल रहा उपचार, हालत नाजुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज सुबह जौनपुर जनपद के जाने माने समाज सेवी, पशुओं का संरक्षण (बचाव) करने वाले मुरली वाले हौसला जब आज सुबह किंग कोबरा को रेस्क्यू करने पहुंचे तो उनके हाथ में सांप ने बुरी तरह से काट लिया, और अस्पताल पहुंचने में उन्हें 40 मिनट लग गए, जिसके कारण उनकी हालत बेहद नाजुक हो गई। बताया जाता है कि उन्हें 12 एंटी वेनम इंजेक्शन लग चुका है और डॉक्टरों की देख-रेख में उपचार चल रहा है। इसलिए कहा गया है कोई आदमी किसी भी काम

में कितना भी विशेषज्ञ हो जाए, परंतु कभी-कभी किस्मत भी परीक्षा ले लेती है। हम सब ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि जल्द से जल्द स्वास्थ्य हो जाए।

भारतीय योग पद्धति ने दुनिया को दिया स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन जीने का संदेश: सोमारू

जलालपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय योग पद्धति ने दुनिया को दिया स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन जीने का संदेश कार्यक्रम अधिकारी सोमारू राम। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (दिनांक 21/06/2025) को अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने हेतु बयालसी महाविद्यालय जलालपुर जौनपुर में 01 जून 2025 को चंदन वाटिका एवं तालाबः प्रकृति की गोद में विश्राम एवं 02 जून 2025 को 'सामूहिक सूर्य नमस्कारः उर्जा और एकाग्रता का अनुभव' कार्यक्रम को संचालित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में स्थित वृक्षों के नीचे प्र ?कृति की गोद में सुबह के मनोरम वातावरण में तालाब की परिकल्पना को साकार करते हुए योग के विविध आयाम, लाभ एव संचालन पर विस्तृत चर्चा की गयी। दिनांक 02 जून 2025 को सामूहिक सूर्य नमस्कार का क्रमवार

छात्र छात्राओं को अभ्यास कराया गया। अभ्यास के बाद सूर्य नमस्कार में सम्मिलित 12 उप-आसनों का अभ्यास किया गया। सूर्य नमस्कार प्रदर्शन महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ संजय नारायण सिंह ने किया। महाविद्यालय की छात्रा स्वेता पटेल (द्वितीय सेमेस्टर) ने भी अभ्यास कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डा अलकेश्वरी सिंह ने योग पर विस्तृत व्याख्यान दिया। साथ में डॉ.बृजेश कुमार मिश्र, डा.अखिलेश चंद्र सेठ, डॉ.अंशुमान सिंह, डॉ.आशुतोष पाण्डेय, डॉ अनिल कुमार, डा. जय सिंह, डॉ. सीमा सिंह, सफीउल्लाह अंसारी, प्रकाश चंद्र कसेरा, उपस्थित रहे।

कार्यक्रम अधिकारी सोमारु राम ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर्स रेंजर्स एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर, के छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

मीरगंज पुलिस ने देशी तमन्चा व जिन्दा कारतूस के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निदेर्शानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) जनपद जौनपुर के दिशा निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे ।सघन अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी महोदया मछलीशहर के निकट पर्वेक्षण तथा थानाध्यक्ष मीरगंज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 शमीम खाँ मय हमराह के द्वारा देखभाल क्षेत्र, रात्रि गस्त व के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर ग्राम सेमरहो बरम बाबा मन्दिर के पास खडे व्यक्ति के पास एकाएक पहुंचे कि खड़ा व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर सेमरहो गाँव जाने वाले रास्ते की ओर भागने का प्रयास किया कि पुलिस टीम द्वारा हिकमत अमली से उस व्यक्ति को घेर कर दिनांक-03.06.25 को सेमरहो बरम बाबा मन्दिर के पास पकड़ लिया गया। पकड़ा गया व्यक्ति से पुछताछं किया गया तो अपना नाम विरेन्द्र सरोज पुत्र कुंजल सरोज निवासी ग्राम तिलौरा थाना

मछलीशहर जनपद जौनपुर बताया जिसके कब्जे से 01 नाजायज देशी तमन्चा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। जिसको गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बकरीद के अवसर पर सभी ईदगाहों की करायी जाए साफ–सफाई: डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शांति समिति की हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में गंगा दशहरा, बकरीद और अन्य त्योहारों/कार्यक्रमों के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बकरीद के अवसर पर सभी ईदगाहों की साफ-सफाई कराया जाए। जनपद में वर्ड फ्लू के दृष्टिगत कही भी खुले में मांस की बिक्री नही की जाएगी, इसके लिए उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और खाद्य सुरक्षा अधिकारी मांस की बिक्री करने वालों के साथ बैठक अवश्य कर लें। जिलाधिकारी ने कहा कि बकरीद के अवसर पर किसी भी प्रतिबंधित पशु की कुबार्नी नहीं होनी चाहिए। तयशुदा स्थानों पर ही कुबार्नी की अनुमति होगी। अगर तय स्थानों के बाहर कुबार्नी की जाती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुबार्नी के उपरांत अपशिष्ट निस्तारण की सुनियोजित व्यवस्था रहे। उन्होंने कहा कि नमाज परंपरागत स्थलों पर ही की जाए और सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी।

जिलाधिकारी ने गंगा दशहरा के अवसर पर 4 जून को स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान शुरू करने के भी निर्देश दिये। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सभी से बढ-चढ कर प्रतिभाग करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्धारित स्थान पर ही योग किया जाए, कोई भी व्यक्ति सड़क पर योग नही करेगा। गंगा दशहरा के दृष्टिगत मन्दिरों की सफाई कराने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने गोमती नदी में जलकुम्भी की सफाई कराने के निर्देश अधिशाषी अधिकारी को दिये गये। उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह को निर्देश दिया कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत सभी अस्पातालों में आवश्यक दवाईयां और चिकित्सक और एम्बुलेंस उपलब्ध रहे। पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ ने कहा कि पुलिस विभाग के द्वारा सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण कर ली गयी है, पूर्व के भांति इस बार भी शान्तिपूर्वक त्योहार सम्पन्न कराये जायेंगे। उन्होने बताया कि गोकशी में लिप्त अपराधियों पर अभियान चलाये जा रहे है जिसके लिए उन्होने शांति समिति के सभी सदस्यों से सहयोग करने की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि पुरानी परम्परा से हटकर कोई नयी परम्परा शुरू नही की जाएगी। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण और समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पीयू में सात दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कुलाधिपति/राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के निर्देश एवं कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुशल नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2025) के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में 5 जून से 12 जून 2025 तक सात दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस योग शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग, बंगलुरू के प्रशिक्षित योग आचार्य योग, ध्यान, प्राणायाम, मानसिक शांति, तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन एवं जीवन जीने की प्रभावी कला का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। शिविर 18 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष एवं स्त्रियों के लिए खुला है। शिविर के प्रथम दिन मेडिकल कॉलेज, जौनपुर की टीम द्वारा समस्त प्रतिभागियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा, जिसमें बीपी, शुगर, ऑक्सीजन, बीएमआई, बीएमआर, एकाग्रता इत्यादि की जाँच शामिल है ।योग शिविर में प्रतिभाग हेतु गूगल फॉर्म के माध्यम से पंजीकरण अनिवार्य है:

https://forms.gle/hEoyqshPijx9m5nt5 । शिविर में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों को कुलपति एवं समिति द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिवार जनपद के सभी नागरिकों से अनुरोध करता है कि अधिक से अधिक संख्या में इस स्वास्थ्यवर्धक शिविर में भाग लें एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें।

یسریٰ حکیمی دواخانہ Regd.No20230048

युसरा हकीमी दवाखाना

हमारी कोशिश, आपका विश्वास...

उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक

Mob.: 9198443844, 8960275665

नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।

अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक

सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा ।

पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

पशु स्वास्थ्य विभाग टीम की तत्परता से बची बैल की जान, सफल ऑपरेशन कर निकाला गया फावड़ा

नान बाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम बगाही, पोस्ट देवरिया, जिला बलरामपुर में एक अमानवीय घटना सामने आई, जहाँ एक अज्ञात व्यक्ति ने एक बैल पर फावड़े से हमला कर दिया। हमला इतना गंभीर था कि फावड़ा जानवर के शरीर में गहराई तक घुस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही ग्रामवासियों ने तुरंत 1962 पर कॉल कर मदद मांगी। कॉल पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र शुक्ल, सहयोगी मदनपाल और राहुल त्रिपाठी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए बैल का सफल ऑपरेशन किया, फावड़ा सुरक्षित रूप से बाहर निकाला और आवश्यक दवाइयों एवं देखभाल द्वारा उपचार प्रारंभ किया। टीम की संवेदनशीलता और तत्परता को देखकर ग्रामवासियों ने 1962 सेवा की सराहना की और पूरी टीम का दिल से धन्यवाद किया।

अमेठी में रिफाइंड ऑयल से भरा टैंकर पलटा

बाल्टी-डिब्बा लेकर टूट पड़े लोग, कीचड़ से भी छानकर भरने लगे तेल

अमेठी(उत्तरशक्ति)। अमेठी में रिफाइंड से लदा टैंकर पलटा, तेल लूटने की मची होड़, कीचड़ से भी छान–छानकर बर्तनों में भर ले गए ग्रामीण अमेठी जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ग्रामीण खेत में फैले रिफाइंड तेल को बाल्टी, ड्रम, प्लास्टिक के डिब्बों आदि में भर रहे हैं। लोग कीचड़ से भी रिफाइंड तेल छान-छानकर बर्तनों में भरकर ले जाते हुए दिखाई दिए। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ग्रामीण खेत में फैले रिफाइंड तेल को बाल्टी, ड्रम, प्लास्टिक के डिब्बों आदि में भर रहे हैं। लोग कीचड़ से भी रिफाइंड तेल छान–छानकर बर्तनों में भरकर ले जाते हुए दिखाई दिए. वहीं, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ग्रामीणों को रोककर टैंकर को सीधा करने में जुट गई. पूरा मामला कमरौली कोतवाली के नेशनल हाइवे के कठौरा के पास का है. यहां सुल्तानपुर से लखनऊ जा रहा रिफाइंड तेल से लदा टैंकर ओवर टेकिंग के चलते अनियंत्रित होकर पलट गया. टैंकर के पलटने से रिफाइंड तेल खेतों में फैल गया. जिसके बाद ग्रामीणों में इस तेल को लूटने की होड़ मच गई।

शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था को लेकर बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जनपद में स्थापित पेट्रोल पम्पों के रिटेल आउटलेट पर जनसामान्य की शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था के दृष्टिगत बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी पेट्रोलपम्प धारकों को अपने पेट्रोल पम्प पर जनमानस के उपयोगार्थ स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय आदि की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये है। साथ ही यह भी निर्देश दिये गये कि यदि निरीक्षण के दौरान किसी भी पेट्रोल पम्प पर शौचालय की साफ-सफाई एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं गयी तो ऐसे पेट्रोल पम्प पर मार्केटिंग डिसिप्लिन गाइडलाइंस, 2005 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। बैठक में उपस्थित समस्त पम्पधारकों द्वारा बैठक में दिये गये समस्त निदेशों के अनुपालन किये जाने का आश्वासन प्रदान किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०), राम अक्षयबर चौहान, जनपद के समस्त पेट्रोल पम्पधारकों, पेट्रोल पम्प यूनियन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, आई०ओ०सी०एल० (पेट्रोलियम) के विक्रय प्रबन्धक मुनेन्दर कुमार एवं श्री मुकेश कुमार, बी०पी० सी०एल० (पेट्रोलियम) के विक्रय प्रबन्धक सत्यम सिंह, एच०पी०सी०एल० (पेट्रोलियम) के विक्रय प्रबन्धक आयुश सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी संतोष विक्रम शाही सहित अन्य उपस्थित रहे।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फॉर्च्यूनर और लीजेन्डर नियो ड्राइव 48वीं वेरिएंट लॉन्च किया

पटना(उत्तरशक्ति)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फॉर्च्यूनर और लीजेंडर को नए नियो ड्राइव अवतार - ग्रेड में पेश करने की घोषणा की। 48 वोल्ट के उन्नत सिस्टम से युक्त, नए नियो ड्राइव वेरिएंट ईंधन की खपत के लिहाज से बेहतर हैं, ड्राइविंग प्रदर्शन अच्छा है और अधिक आराम प्रदान करते हैं - शहरी परिस्थितियों और ऑफ-रोड स्थितियों में अधिक परिष्कृत अनुभव प्रदान करते हैं। फॉर्च्यूनर और लीजेंडर नियो ड्राइव 48वी वेरिएंट की पेशकश पर बोलते हुए, सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के उपाध्यक्ष वरिंदर वाधवा ने कहा, जैसे-जैसे भारत में एसयूवी बाजार लगातार बढ़ रहा है, ग्राहक उन्नत सुविधाओं और अलग-अलग स्टाइल की मांग कर रहे हैं, फॉर्च्यूनर और लीजेंडर दोनों अपने बोल्ड डिजाइन, शक्तिशाली प्रदर्शन और व्यापक सुविधाओं के साथ इन अपेक्षाओं को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जो विविध उपयोगकताओं की जरूरतों को सहजता से पूरा करते हैं। नियो ड्राइव 48वी ग्रेड की शुरूआत हमारी यात्रा में एक और मील का पत्थर है। सेगमेंट के पहले के रूप में यह ग्राहकों की बदलती जीवनशैली के साथ तालमेल बैठाने वाली, हमेशा बेहतर कारें देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, साथ ही कार्बन तटस्थता के प्रति टोयोटा के बहु-मार्ग दृष्टिकोण को भी मजबूत करता है।

कार को टक्कर मारकर खाई में गिरी बस, दस लोग घायल

रानी की सराय। थाना क्षेत्र के कोटिला के पास हाईवे पर सोमवार की दोपहर 12 बजे एक अनियंत्रित निजी बस और कार की आपस में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं बस का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ। दुर्घटना के बाद बस हाईवे के किनारे खाई में जा गिरी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बस और कार से घायलों को बाहर निकाला और सभी को उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा। संयोग से कार के ड्राइवर सीट का एयरबैग खुल गया, जिसके कारण ड्राइवर की जान बच गई। इस हादसे में छोटेलाल, भारत भूषण, लाली देवी सहित 10 लोग घायल हुए। कुछ घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जबकि कुछ लोग जिन्हें मामूली चोटें आई थीं, उन्होंने अपनी व्यवस्था से प्राइवेट अस्पतालों में उपचार कराकर घर निकल गए। थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि घटना पर पहुंचकर सभी घायलों को बाहर निकाला गया। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

अयोध्या में दिल दहला देने वाली हत्या, सेना की तैयारी कर रहा था युवक

6 टुकड़ों में मिला युवक का शव, हाथ-पैर, गर्दन और धड़ अलग-अलग थे

युवक घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था

अयोध्या (उत्तरशक्ति)। अयोध्या के बीकापुर कोतवाली क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। सेना की तैयारी कर रहे 22 साल के युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उसका शव छह टुकड़ों में मिला। हाथ-पैर, गर्दन और धड़ अलग-अलग थे। युवक घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। पिता रात में जनरेटर में पानी डालने के लिए उठे। उनकी नजर चारपाई के नीचे बह रहे खून पर पड़ी। साथ ही हैरानी की बात यह है कि शव के छह टुकड़े घर से महज 250 मीटर दूर, कोतवाली के पास ही मिले हैं। घटना की जानकारी मिलते ही रात करीब ढाई बजे पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दिनेश के परिवार ने इस हत्या का आरोप परिवार के ही दूसरे बेटे पर लगाया है। उनका कहना है कि उसने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर दिनेश की हत्या की। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

घरवालों ने युवक के सगे चाचा और पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाया है। सुबह पिता रोते-रोते बेहोश हो गए। घरवालों ने पानी के छींटे मारकर उन्हें होश में लाया। बहन भी रो-रोकर बेसुध हो गई। वह बार-बार कह रही थी- भइया, कहां चले गए।

मृतक का नाम दिनेश कुमार वर्मा था। दिनेश माता-पिता, दो बहनों और दो भाइयों के साथ रहता था। उसके पिता राजकुमार वर्मा बीकापुर बाजार में पान की गुमटी चलाते हैं। इससे परिवार का खर्च चलता है। घरवालों ने बताया कि दिनेश बीए की पढ़ाई पूरी कर चुका था। वह बीएसएफ में जाने की तैयारी कर रहा था। दिनेश ने हाईस्कूल भारती इंटर कॉलेज से, इंटरमीडिएट शिक्षा दीक्षा खजुरहट से और बीए की पढ़ाई महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज से की थी।

युवक के पिता राजकुमार वर्मा ने बताया- कल आंधी और बारिश की वजह से बिजली के खंभों पर पेड़ गिर गए थे। जिससे लाइट कट गई थी। रात करीब 10 बजे मैं दुकान से घर आया तो बेटे ने कहा- पापा, बहुत गर्मी लग रही है। जेनरेटर मंगवा दो। मैंने भाड़े पर जेनरेटर मंगवाया। इसके बाद सभी लोगों ने खाना खाया। एक बेटा खेत में सिंचाई करने गया था। सभी लोग घर के बाहर अलग-अलग जगह सो गए। बेटा छप्पर के पास जाकर चारपाई पर सो गया।

रात करीब एक बजे मैं उठा तो सोचा कि जेनरेटर में पानी डाल दूं। तभी बेटी भी उठकर आई। बोली- पड़ोसी के घर तीन लोग दिख रहे हैं। मैंने कहा- हो सकता है, उनके यहां मेहमान आए हों। फिर मैं बंबे (हैंडपंप) पर हाथ धोने गया। तभी मेरी नजर चारपाई के पास पड़ी। देखा तो खून बह रहा था। फिर बेटे के पास गया। उसकी लाश देखकर मैं चीख पड़ा। मेरी चीख सुनकर घरवाले आ गए।

फिर पुलिस को सूचना दी गई। एसपी देहात बलवंत ने बताया शव पर धारदार हथियार के निशान मिले हैं। मृतक के बड़े भाई विनोद वर्मा ने तहरीर दी है कि जमीन की रंजिश में सगे चाचा अशोक कुमार वर्मा और पड़ोसी रामकृष्ण वर्मा ने मिलकर उनके भाई की हत्या कर दी। चाचा की पत्नी और पड़ोसी रामप्रकाश वर्मा ने साजिश रचकर पूरी घटना को अंजाम दिलवाया। दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि दो आरोपी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

शशि यादव का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया

ठाणे। ठाणे जिला संघटक शशि यादव का जन्मदिन ठाणे शहर में अत्यंत हर्ष और उत्साह के साथ बड़े धूमधाम से मनाया गया। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि शशि यादव जैसे कर्मठ, निःस्वार्थ समाजसेवी हमारे समाज में जन्मे हैं। शशि यादव एक ऐसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं जो हर समाज के लोगों का सम्मान करते हैं और समाज के हर वर्ग के दुख-सुख में सहभागी बनते हैं। उन्होंने न केवल यादव समाज बल्कि समस्त समाज को साथ लेकर चलने की भावना से सदैव कार्य किया है। इस शुभ अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ एवं समस्त समाजजनों की ओर से शशि यादव जी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं और शुभाशीर्वाद दिए गए। विशेष रूप से इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, हाईकोर्ट एडवोकेट एस.एस. यादव, तथा कल्याण शिवसेना पदाधिकारी जोगिंदर यादव की उपस्थिति में शशि यादव को सम्मानित किया गया। हम सब ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि शशि यादव जी को दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य और समाज सेवा में निरंतर सफलता प्राप्त हो।

मणिपाल के डॉक्टरों ने बचाई 19 महीने के बच्चे की जान

कोलकाता। मणिपाल हॉस्पिटल, मुकुंदपुर में 19 महीने के एक बच्चे अगस्त्य का सफलतापूर्वक इलाज किया गया, जिसने गलती से एक चुंबकीय बटन बैटरी निगल ली थी। बैटरी उसके पेट में फंस गई थी और गंभीर नुकसान पहुंचाने वाली थी। यह नाजुक सर्जरी डॉ. सुभासिस साहा, कंसल्टेंट-पीडियाट्रिक सर्जन, द्वारा लेप्रोस्कोपिक (कीहोल) तकनीक से की गई, जिससे बच्चे को बिना किसी बाहरी निशान के राहत मिली। अगस्त्य को 2 मई 2025 को हरे रंग की उल्टी और पेट दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल लाया गया। एक्स-रे में पेट में एक विदेशी वस्तु दिखाई दी। उसी रात एंडोस्कोपी द्वारा बैटरी निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन बैटरी पेट की दीवार में गहराई तक धँस चुकी थी और सुरक्षित रूप से नहीं निकाली जा सकी।

3 मई की सुबह डॉ. सुभासिस साहा ने लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के जरिए बैटरी को निकाला। यह सर्जरी छोटे-छोटे चीरे लगाकर पेट को सावधानीपूर्वक खोलने और बैटरी को बिना किसी अन्य अंग को नुकसान पहुंचाए निकालने की प्रक्रिया थी। पेट को उसी तकनीक से सिल दिया गया। उन्नत तकनीक की बदौलत बच्चे को कोई बाहरी निशान नहीं हुआ और वह तीन दिन के भीतर फिर से खाना शुरू कर सका। जल्द ही वह पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट गया।

इस घटना पर बात करते हुए डॉ. सुभासिस साहा ने कहा, चुंबकीय बटन बैटरियां छोटे बच्चों के लिए अत्यंत खतरनाक होती हैं। यदि निगल ली जाएं, तो वे बहुत कम समय में पेट या आंतों की परत को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे छेद, आंतरिक रक्तस्राव या जानलेवा संक्रमण हो सकता है। अगस्त्य के मामले में, यह समय से होड़ की तरह था—बैटरी पहले ही पेट की दीवार को प्रभावित करने लगी थी। जब एंडोस्कोपी से बैटरी नहीं निकाली जा सकी, तो हमने तुरंत लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की योजना बनाई। सौभाग्य से, इस न्यूनतम हस्तक्षेप तकनीक ने हमें बैटरी को सटीकता से और बिना किसी अंग को आघात पहुंचाए निकालने में मदद की। सर्जरी के बिना निशान वाले स्वरूप ने बच्चे के लिए तेज और आरामदायक रिकवरी सुनिश्चित की। यह घटना सभी अभिभावकों के लिए चेतावनी है—बैटरियों, मैग्नेट्स और खिलौनों के छोटे भाग बच्चों के लिए अदृश्य खतरा बन सकते हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। हम खुश हैं कि अगस्त्य अब ठीक है और उनके माता-पिता की तत्परता और विश्वास के लिए उनका धन्यवाद करते हैं।

कूपर कॉर्पोरेशन का क्लीन एनर्जी इंजन अब हो गया है ग्लोबल

मुंबई। कूपर कॉर्पोरेशन पूरी दुनिया में इंजन, इंजन के कल-पुर्जों और जनरेटर के निर्माण के लिए मशहूर है, जिसने बड़े गर्व के साथ गैस से चलने वाले जेनसेट की अपनी पहली बड़ी शिपमेंट अमेरिका को भेजने की घोषणा की। यह एक बड़ी उपलब्धि है जिससे पता चलता है कि कंपनी ने अमेरिका को बड़े पैमाने पर किए जाने वाले निर्यात की शुरूआत कर दी है। कंपनी आने वाले समय में 5 'श्अ से 500 'श्अ तक के जेनसेट के निर्यात के लिए तैयार है, जिन्हें अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी की ओर से मंजूरी दी गई है।

कूपर कॉर्पोरेशन के 10 'श्अ और 25 'श्अ के फ्लैगशिप गैस जेनसेट भारत में इस तरह के इकलौते ऐसे इंजन हैं, जो एढअ की कसौटी पर खरे उतरते हैं, जिससे जाहिर होता है कि इंजीनियरिंग के मामले में कंपनी सबसे आगे है और पर्यावरण के नियमों का पालन करने के इरादे पर अटल है। अमेरिकी बाजार में इन सभी जेनसेट्स को, खास तौर पर 25 'श्अ वाले वेरिएंट को बेहद शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। कंपनी का मान बढ़ाने वाले इस अवसर पर, कूपर कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, फरोख एन. कूपर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, आज कूपर कॉर्पोरेशन के लिए ऐतिहासिक और कंपनी का मान बढ़ाने वाली उपलब्धि का दिन है, क्योंकि हम अमेरिका को एढअ-सर्टिफाइड जेनसेट के बड़े पैमाने पर निर्यात का शुभारंभ कर रहे हैं।

फिट इंडिया मिशन के अन्तर्गत साईकिल रैली का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना फिट इण्डिया मिशन योजना के अन्तर्गत जिला खेल कार्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर, जौनपुर में विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर 03 जून, 2025 को खिलाड़ियों द्वारा साईकिल रैली का आयोजन किया गया। साईकिल रैली का उद्घाटन हरी झण्डी दिखाकर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्यामबाबू यादव द्वारा किया गया। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह द्वारा मुख्य अतिथि एवं अभिषेक सिंह को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्टेडियम के प्रशिक्षक राजकुमार यादव, कन्हैया सिंह यादव, कृष्ण कुमार यादव, अमरजीत यादव व दिलीप कुमार उपस्थित थे। वहीं दूसरी तरफ ज्ञान कुश्ती स्पोर्ट्स एकेडमी के प्रशिक्षक श्री अशोक कुमार सोनकर द्वारा कबीरूद्दीनपुर, बिथार में भी साईकिल रैली का आयोजन किया गया। फिट इण्डिया के अन्तर्गत खेलो इण्डिया की ओर से साइकिल रैली (संडे आन साइकिल) का आयोजन आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो। कम से कम सप्ताह में एक दिन पेट्रोल व डीजल की गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का प्रयोग करें। इससे आप अपने स्वास्थ्य को अच्छा बनाये रख सकते हैं तथा देश के ईंधन की बचत करने के साथ ही पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर अभिषेक सिंह, भाजपा नेता, गौरव सिंह, भाजपा मीडिया प्रभारी, जयशंकर यादव, युवा भाजपा नेता व अनिल यादव, शारीरिक शिक्षक उपस्थित थे।

उधार पैसे के विवाद में हुई हत्या, लक्ष्मी ने अपने पुत्रों संग दिया था हत्या को अंजाम

रामकृपाल यादव के हथियारों को पुलिस ने पहुंचाया सलाखों के अंदर

पूर्व युवा कल्याण अधिकारी की हत्या के आरोपी गिरफ्तार

डॉ इम्तियाज /शिवकुमार प्रजापति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार पुलिस द्वारा हत्या की घटना का 30 घण्टे के अन्दर अनावरण करते हुए, हत्या करने वाले 03 अभियुक्त/अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया।

अवनीश कुमार यादव पुत्र स्व० रामकृपाल यादव निवासी गभिरन (मैरवा) थाना खुटहन जनपद जौनपुर द्वारा लिखित तहरीर थाना में दिया गया था कि अभियुक्तगण द्वारा उधार का पैसा मांगने पर देने से इन्कार करते हुए विवाद के दौरान वादी के पिता रामकृपाल यादव की हत्या कर लाश को छुपाने के उद्देश्य से रेड चिल्ली रेस्टोरेन्ट के सामने नाले के किनारे फेंक देने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत हुआ था। जिसमें अभियुक्त लक्ष्मी पत्नी किशन लाल मौर्या, सोनू मौर्या, सुनील मौर्या पुत्रगण किशन लाल मौर्या निवासीगण सिगरामऊ थाना सिगरामऊ जनपद जौनपुर के नाम पंजीकृत हुआ था।

मंगलवार को थाना लाइन बाजार पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्तगण सोनू मौर्या पुत्र किशन लाल मौर्या निवासी सिंगरामऊ थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर सुनील मौर्या पुत्र किशन लाल मौर्या निवासी सिंगरामऊ थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर व महिला हेल्प डेस्क निगरानी में अभियुक्ता लक्ष्मी पत्नी किशन लाल मौर्या निवासी सिंगरामऊ थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर को मुखबिरी सुचना पर मंगलवार को कलीचाबाद तिराहा के पास गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर लाकर अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही किया गया।

पुलिस द्वारा पूछताछ में अभियुक्ता द्वारा बताया कि साहब मेरे पति पैर से विकलांग हो गये हैं मैं घर का खर्च चलाने के लिये जौनपुर शहर आ गयी। उस दौरान मेरा परिचय रामकृपाल यादव से हो गया और मित्रता हो गयी। मित्रता के कारण मैने उनसे कुछ रुपया ले लिया। 31.05.2025 को रामकृपाल मेरे घर मुझसे रूपया मांगने आये, उसी में वाद विवाद हो गया। मेरे बच्चे सुनील और सोनू भी मौजूद थे और उनकी मौत हो गयी। हम लोग डर गये और रात के अन्धेरे में इसी स्कूटी पर रामकृपाल यादव को बैठाकर मैं व मेरा बेटा सोनू रामकृपाल के शव को जेसीस चौराहे के पास नाले के किनारे फेंक कर अपने घर आ गये और जब पता चला कि रामकृपाल के लड़के ने मुकदमा लिखा दिया तो मैं छिप गयी और आज मै अपने बच्चो के साथ अपने गाँव जा रही थी जहाँ से हम लोग सूरत चले जाते लेकिन पकड़ गये। ज्ञात हो कि शहर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र स्थित वाजिदपुर तिराहे के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब पूर्व जिला युवा कल्याण अधिकारी रामकृपाल यादव का शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। प्रथम दृष्टया मामले को संदिग्ध मानते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। घटनास्थल की फोरेंसिक जांच भी कराई गई।

रामकृपाल यादव मूल रूप से खुटहन थाना क्षेत्र के मैरवां गांव के रहने वाले थे, और वर्तमान में शहर के पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास स्थित सुंदर नगर कॉलोनी में निवास कर रहे थे।